Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 134
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
शनिवार,13 दिसम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 घर में घुसकर गर्लफ्रेंड को मारी गोली,कंधे और हाथ में 4 संसद के लिए काला दिन 5 राधिका आप्टे बोलीं- 'आजकल की शोर वाली फिल्मों से अलग है साली

देश के कुल कृषि उत्पादन में यूपी की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत

सीएम योगी ने किया किसान पाठशाला का शुभारंभ

प्रदेश का किसान मेहनती भी है और नवाचार की क्षमताओं से भी भरपूर है

सरकार किसानों को इसी दिशा में प्रोत्साहित कर रही है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाराबंकी में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने किसान पाठशाला में खेती की चुनौतियों और उत्पादन को बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के पास देश की कुल कृषि भूमि का 11 प्रतिशत हिस्सा है लेकिन यूपी देश के कुल कृषि उत्पादन में 21 फीसदी योगदान देता है। यह बताता है कि प्रदेश का किसान मेहनती भी है और नवाचार की क्षमताओं से भी भरपूर है। सरकार प्रदेश के 28 जिलों में 4000 करोड़ की लागत से खेती में सुधार और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। सीएम योगी शुक्रवार को हरख ब्लॉक के दौलतपुर गांव में पद्मश्री और प्रगतिशील किसान रामसरन वर्मा के फार्म पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दौलतपुर में किसान पाठशाला और प्रगतिशील किसान सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से तमाम योजनाएं चलाई हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार और कृषि यंत्रों पर सब्सिडी ने बड़े स्तर पर किसानों को राहत दी है। सीएम योगी ने कहा कि परंपरागत खेती के साथ-साथ यदि किसान उच्च मूल्य वाली फसलों, सब्जियों, फल उत्पादन और प्राकृतिक खेती की दिशा में आगे बढ़ें तो उनकी आमदनी कई गुना बढ़ सकती है। उन्होंने पद्मश्री रामसरन वर्मा का उदाहरण देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों और नवाचार को अपनाने से सीमित भूमि पर भी शानदार उत्पादन संभव है। सरकार किसानों को इसी दिशा में प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी प्रगति के बिना समृद्ध भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए सरकार हर जिले में किसान प्रशिक्षण, मॉडल फार्म और आधुनिक मार्केट से जोड़ने की व्यवस्था को मजबूत कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि खेती को लाभकारी बनाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे और किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल का निधन

पीएम मोदी समेत सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

लातूर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार को महाराष्ट्र में उनके गृह नगर लातूर में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने बताया कि पाटिल कुछ समय से बीमार थे और उन्होंने अपने आवास पर ही अंतिम सांस ली। वह 90 वर्ष के थे। वह लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष थे और केंद्रीय मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाल चुके थे। पाटिल ने लातूर लोकसभा सीट से सात बार जीत हासिल की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र से कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, श्श्री शिवराज पाटिल जी के निधन से दुख हुआ। वे एक अनुभवी नेता थे, जिन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री, महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष और लोकसभा अध्यक्ष के तौर पर काम किया। वह समाज की भलाई में योगदान देने के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। पिछले कुछ सालों में मेरी उनसे कई बार बातचीत हुई, सबसे हाल की मुलाकात तब हुई जब वे कुछ महीने पहले मेरे घर आए थे। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। ओम शांति ष्प्रधानमंत्री ने श्री पाटिल से हुयी मुलाकात का एक फोटो भी शेयर किया। गौरतलब है कि श्री पाटिल का आज महाराष्ट्र के लातूर में 90 साल की उम्र में निधन हो गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्रियों ने शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, पाटिल का शुक्रवार सुबह महाराष्ट्र के लातूर स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार थे। आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ राजनेता श्री शिवराज पाटिल जी का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

सार संक्षेप

वंदे मातरम, चुनाव सुधार पर चर्चा के बाद दबाव में है सरकार: राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने निचले सदन के कांग्रेस सदस्यों के साथ शुक्रवार को बैठक की, जिसमें उन्होंने वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान पार्टी सांसदों के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार अब इन दोनों विषयों पर दबाव में है। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। राहुल गांधी ने कांग्रेस के लोकसभा सदस्यों के साथ संसद भवन परिसर में यह बैठक की, जिसमें पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल को श्रद्धांजलि भी दी गई। पाटिल का 90 वर्ष की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। बैठक के बाद कांग्रेस सूत्रों ने बताया, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार वंदे मातरम और चुनाव सुधारों के मुद्दों पर दबाव में है तथा हमारे सांसदों ने चर्चा के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया।सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने पीटीआई-वीडियो से कहा, यह नियमित तौर पर होने वाली बैठक थी। नेता प्रतिपक्ष हर सत्र में सांसदों के साथ बैठक करते हैं।

सोने की लंबी छलांग, चांदी बनी दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी एसेट

मुंबई । चांदी की कीमतों ने शुक्रवार को इतिहास रच दिया। एमसीएक्स पर सिल्वर पहली बार 2 लाख प्रति किलो के पार पहुंच गई। इस साल अब तक चांदी में करीब 121: की जबरदस्त तेजी देखी गई है। शुक्रवार के कारोबार में 5 मार्च डिलीवरी वाली चांदी 1,96,958 पर खुली थी लेकिन दिन बढ़ने के साथ तेजी आई और यह 2,00,362 के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चांदी ने नया रिकॉर्ड बनाया और गुरुवार को पहली बार $64 प्रति औंस के पार पहुंच गई। इस उछाल के साथ चांदी ने माइक्रोसॉफ्ट को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी एसेट का स्थान हासिल कर लिया। विशेषज्ञों का कहना है कि सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक वाहनों, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स में तेजी से बढ़ती औद्योगिक मांग कीमतों को लगातार ऊपर धकेल रही है। सोने में भी शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर 5 फरवरी डिलीवरी वाला गोल्ड पिछले सत्र के 1,32,469 प्रति 10 ग्राम से उछलकर ट्रेडिंग के दौरान 1,34,111 तक चला गया। 3.10 बजे सोना 1,33,750 पर ट्रेड कर रहा था यानी करीब 1,281 की तेजी। विशेषज्ञों का कहना है कि डॉलर की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती के कारण सोना और चांदी दोनों तेज रुख बनाए हुए हैं।

अमित शाह की भविष्यवाणी होने लगी सच!

कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी नेतृत्व से माँगने लगे हिसाब

नई दिल्ली। हम आपको बता दें कि मोहम्मद मुकिम के पत्र में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व न तो चुनावी धरातल समझ पा रहा है, न संगठन को मजबूत कर पा रहा है। यही कारण है कि हालिया उपचुनावों में कांग्रेस को भारी पराजय झेलनी पड़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो दिन पहले ही लोकसभा में अपने भाषण में कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा वार करते हुए कहा था कि कांग्रेस पार्टी की लगातार हार का हिसाब एक दिन कांग्रेस के अपने कार्यकर्ता ही आलाकमान से मांगेंगे। देखा जाये तो अमित शाह की यह भविष्यवाणी राजनीति में सिर्फ एक बयान नहीं थी, आज की स्थिति देखकर लगता है कि वह सीधे कांग्रेस के भीतर फैलते असंतोष को भांप चुके थे। हुआ भी वैसा ही। ओडिशा से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का पत्र आ गया, जिसमें पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए गए और उसी दिन शशि थरूर कांग्रेस संसदीय दल की बैठक से अनुपस्थित रहे, मानो पार्टी के भीतर उबलता लावा अब सतह पर फूटने लगा हो। हम आपको बता दें कि ओडिशा के पूर्व कांग्रेस विधायक मोहम्मद मुकिम ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस की सौ साल पुरानी विरासत हाथ से फिसल रही है और इसका कारण है नेतृत्व में स्पष्टता की कमी, संगठनात्मक ढीलापन और जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा। मुकिम ने मांग की है कि पार्टी की बागडोर ऐसे नेता के हाथ में दी जाए जो युवा, ऊर्जावान और प्रभावी जनसंपर्क क्षमता रखता हो। उन्होंने इस संदर्भ में प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि पार्टी को अब नए नेतृत्व की सख्त जरूरत है। हम आपको बता दें कि मुकिम के पत्र में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व न तो चुनावी धरातल समझ पा रहा है, न संगठन को मजबूत कर पा रहा है। यही कारण है कि हालिया उपचुनावों में कांग्रेस को भारी पराजय झेलनी पड़ी। कई नेता और कार्यकर्ता दिशा हीन महसूस कर रहे हैं और पार्टी धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता खोती जा रही है। उधर बीजेपी ने इस मौके को हाथों-हाथ लेते हुए दावा किया कि कांग्रेस में अब खुलकर दो गुट बन चुके हैं यानि टीम राहुल बनाम टीम प्रियंका। भाजपा नेताओं का कहना है कि यह पत्र कांग्रेस के भीतर की उथल-पुथल का सिर्फ एक नमूना है; असंतोष का असली स्वरूप इससे कहीं बड़ा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं में मोहभंग बढ़ रहा है और वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से सवाल उठा रहे हैं। देखा जाए तो यह सिर्फ एक पत्र नहीं बल्कि यह कांग्रेस के गिरते मनोबल, बिखरते नेतृत्व और टूटती संगठनात्मक आत्मा का चार्जशीट है। जिस पार्टी ने इस देश को आजादी दिलाने में भूमिका निभाई, जो दशकों तक सत्ता में रही, वह पार्टी आज अपने ही नेताओं के पत्रों, नाराज कार्यकर्ताओं और दिशाहीन नेतृत्व के कारण राजनीतिक खाई की ओर तेजी से फिसल रही है। कांग्रेस का संकट चुनावी नहीं, अस्तित्व का संकट है। नेतृत्व का सवाल अब सिर्फ रणनीति का मामला नहीं रहा; यह पार्टी की पहचान और भविष्य को सीधे चुनौती दे रहा है।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा, बस दुर्घटना में 9 लोगों की मौत, 22 अन्य घायल

चिंतूर । आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में शुक्रवार को एक बस सड़क से फिसलकर नीचे गिर गई और पलट गई, जिससे कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए।

पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चित्तूर से पड़ोसी राज्य तेलंगाना जा रही बस में चालक और सफाईकर्मी समेत 37 लोग सवार थे। इनमें से छह लोग सुरक्षित हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित बरदार ने बताया कि दुर्घटना एक दुर्गा मंदिर के पास चिंतूर-मोरेदुमिल्ली घाट सड़क पर सुबह करीब 4.30 बजे हुई। बरदार ने न्यूज एजेंसी को बताया, घाट रोड सड़क से बस के नीचे गिर जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। बस पूरी तरह से घाटी में नहीं गिरी। बस पलट गई... और वहीं फंस गई।उन्होंने कहा कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है। अधिकारी के अनुसार, संभवतः घने कोहरे के कारण बस चालक दुर्घटनास्थल पर स्थित मोड़ को नहीं देख पाया, जो मोथुगुडेम थाना क्षेत्र में पड़ता है। बरदार ने कहा कि बस यात्री चित्तूर से तेलंगाना के भद्राचलम में श्री राम मंदिर जा रहे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आंध्र प्रदेश में बस दुर्घटना में हुई लोगों की मौत पर शुक्रवार को शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह अल्लूरी सीताराम राजू जिले में एक बस सड़क से नीचे गिरकर पलट गई।

राज्यसभा में सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा

संसद भवन की पहली मंजिल से, मैंने आतंकवादियों को भागते देखा था

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि जब 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर हमला हुआ था तब वह लोकसभा के सदस्य थे और संसद भवन की पहली मंजिल से, उन्होंने आतंकवादियों को भागते देखा था। उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति ने संसद पर हमले का जिक्र करते हुए कहा कि कल, 13 दिसंबर, 2025 को संसद भवन पर हुए दुखद आतंकवादी हमले की चौबीसवीं बरसी है। यह हमला 13 दिसंबर, 2001 को हुआ था। उन्होंने कहा, उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन को, जब हमारे लोकतंत्र के प्रतीक अर्थात भारतीय संसद की नींव को कमजोर करने के लिए उन आर्तकियों ने निशाना बनाया, तो यह हमारे बहादुर सुरक्षाकर्मियों ने अपने अदम्य साहस और त्वरित कार्यवाही से उनके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

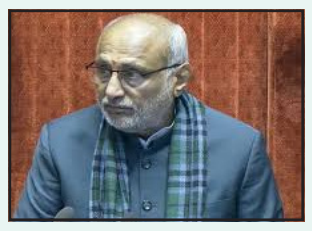

सभापति ने कहा लोकसभा के सदस्य के तौर पर, मैं उस दुखद समय का साक्षी बना था। संसद भवन की पहली मंजिल से, मैंने आतंकवादियों को भागते देखा था।उन्होंने कहा कि इस हमले में देश के कई बहादुरों को खो दिया जो अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन करते हुए हमलावरों और लोकतंत्र के इस मंदिर के बीच अडिग होकर खड़े रहे। आइए हम उन बहादुर आत्माओं को याद करें और उन्हें श्रद्धांजलि दें जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्तव्य के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और निस्वार्थ वीरता यहां मौजूद सभी लोगों को प्रेरित करती रहेगी। यह हमारा पावन दायित्व है कि हम उन लोकतांत्रिक आदर्शों को आगे बढ़ाए जिनके लिए उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी।सभापति ने कहा, इस अवसर पर हम आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अपने संकल्प को पुनरू दोहराते हैं और अपनी मातृभूमि की एकता, अखंडता और संप्रुभता की रक्षा के अपने संकल्प की पुनरू पुष्टि करते हैं।

एसआईआर के मुद्दे पर सदन में गरजे संजय सिंह,

मताधिकार से छेड़छाड़ सहन नहीं की जाएगी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा की कार्यवाही में स्पष्ट शब्दों में आगाह किया कि एसआईआर के नाम पर जो कार्यवाही देशभर में चल रही है वह मतदाता-सूची सुधार नहीं बल्कि वोटरों की प्रणालीगत सफाई और वोट चोरी की साजिश हैय सरकार और चुनाव आयोग को इस पूरे अभियान के ठोस, नाम-वार और क्षेत्र-वार आंकड़े जनता के सामने पेश करने होंगे, अन्यथा विपक्ष और नागरिक समाज इसके विरुद्ध कड़े कदम उठाएंगे। राज्यसभा में बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि जिस देश के लिए भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस,

अशफाकउल्ला जैसे शहीदों ने कुर्बानी दी और जिसका संविधान बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने नागरिकों के समान मताधिकार के सिद्धांत पर बनाया, वहाँ किसी भी रूप में मताधिकार से छेड़छाड़ सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने सदन में प्रश्न उठाया कि क्या एसआईआर के माध्यम से वास्तव में मतदाता-सूची को शुद्ध करना मकसद है या लक्षित वोटरों को हटा कर राजनीतिक फायदे हासिल करना लक्ष्य है। संजय सिंह ने संवैधानिक धारा 327 और लोकप्रतिनिधित्व कानून 1950 के हवाले से स्मरण कराया कि चुनाव आयोग के अधिकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर हैं और किसी भी बड़े पैमाने पर एकतरफा कार्रवाई से पहले स्पष्ट कानूनी आधार, पारदर्शी प्रक्रियाएँ और संसद का मार्गदर्शन अनिवार्य है।संजय सिंह ने दिल्ली के उदाहरण का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली की नयी दिल्ली विधानसभा में चुनाव शुरू होने से पहले 42,000 मतदाता नाम अचानक काट दिए गए कृ यह आकड़ा हमारे पास है और हमने इस पर चुनाव आयोग को लिखित शिकायत भी भेजी है। उन्होंने कहा कि इसी तरह बिहार में एसआईआर के नाम पर बड़े पैमाने पर वोट कटौती की घटनाएँ सामने आई हैं और ये कटौतियाँ लोकतंत्र की जड़ों को हिला रही हैंय अगर इन कटौतियों का औचित्य नहीं बताया गया तो बहुमत-प्राप्ति के लिए चुनाव प्रक्रिया में घपला सिद्ध होगा।

ममता बनर्जी के बचाव में उतरे सपा सांसद वीरेंद्र सिंह,

उन्होंने बगावत के बारे में महिलाओं और सरकार को आगाह किया

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद वीरेंद्र सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सपा सांसद ने कहा कि ममता बनर्जी ने बगावत के बारे में महिलाओं और सरकार को आगाह किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक सभा के दौरान महिलाओं से मतदाता सूची में नाम कटने पर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा था। इस पर शुक्रवार को सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा, यदि अत्याचार की सीमा बढ़ जाती है तो उसका अंतिम परिणाम बगावत होता है। उन्होंने इस बगावत के बारे में महिलाओं और सरकार को आगाह किया है।समाचार एजेंसी से बातचीत में सपा सांसद ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में एसआईआर की समयसीमा बढ़ाए जाने पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, एसएसआईआर की समय सीमा उन्हें बढ़ा देनी चाहिए, लेकिन जिस तरह जिस चालाकी के साथ समय कम देकर किया, उन्होंने बीएलओ के ऊपर इतना दबाव डाला कि कई ने आत्महत्या तक कर ली। वीरेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि कई बीएलओ ने अपने डाटा को कंप्लीट करने के लिए बिना विजिट के लाखों मतदाताओं को सी-कैटेगरी में डाल दिया है। तो ऐसी स्थिति में उन सी-कैटेगरी के मतदाताओं को कैसे ठीक किया जाएगा? यह बहुत बड़ा चौलेंज है।उन्होंने कहा, हमने अपने सभी बीएलए को काम में लगाया है।

वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड को लेकर छिड़ा विवाद, महबूबा मुफ्ती ने गहन जांच की मांग की

श्रीनगर। देशभर में वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। वक्फ बोर्ड से जुड़े नए उम्मीद के डाटाबेस में पुरानी प्रविष्टियों की तुलना में कुल 3,55,312 वक्फ संपत्तियां रिकॉर्ड से कम पाई गई हैं। यह जानकारी हाल ही में जारी आंकड़ों और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती द्वारा उठाए गए सवालों के बाद चर्चा में है।महबूबा मुफ्ती द्वारा शेयर किए गए टेबल के अनुसार, 2024 में देशभर में वक्फ संपत्तियों की कुल संख्या 8,72,352 थी, जबकि 7 दिसंबर 2025 तक यह संख्या घटकर 5,17,040 रह गईं यानी राष्ट्रीय स्तर पर 3.55 लाख से अधिक संपत्तियां रिकॉर्ड से गायब हैं।जम्मू-कश्मीर में भी स्थिति बेहद चिंताजनक बताई जा रही है। यहां 9 दिसंबर 2024 को वक्फ संपत्तियों की संख्या 32,533 थी, जो 2025 में घटकर 25,293 रह गईं यानी 7,240 प्रविष्टियां अचानक रिकॉर्ड से हट गईं। महबूबा मुफ्ती ने यही आंकड़े अपने आधिकारिक श्एक्सश हैंडल के जरिए साझा करते हुए गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं।उन्होंने कहा, ष्वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर पहले से ही सवाल हैं और इतनी बड़ी संख्या में संपत्तियों का रिकॉर्ड से गायब होना बेहद चिंताजनक है। हिंसा, ध्वस्तीकरण और मुस्लिम समुदाय को हाशिये पर धकेलने की घटनाओं के बीच वक्फ भूमि का क्षरण एक और बड़ा वार जैसा महसूस होता है। आखिर यह सब कहां जाकर रुकेगा? महबूबा मुफ्ती ने सरकार से इस पूरे मुद्दे पर स्पष्ट जवाब और विस्तृत जांच की मांग की है।

राहुल ने वायु प्रदूषण पर लोकसभा में चर्चा की उठाई मांग, सरकार बोली- तैयार हैं हम

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली समेत कई प्रमुख शहरों के वायु प्रदूषण की चपेट में आने का विषय शुक्रवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि सरकार को संसद में विस्तृत चर्चा कराने के साथ इस समस्या से निपटने के लिए एक योजना सामने रखनी चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह विषय कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में उठा था और सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। उन्होंने कहा, हमारे ज्यादातर बड़े शहरों पर जहरीली हवा की चादर पसरी हुई है, बच्चों को सांस लेने की दिक्कत होती है...लोगों को कैंसर जैसी बीमारियां हो रही है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सभी सहमत होंगे।उनका कहना था कि संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा कराई जाए और उसमें आरोप-प्रत्यारोप के बजाय समस्या पर अंकुश लगाने के लिए समाधान को लेकर बात हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक योजना पेश करनी चाहिए।

महाप्रबंधक की उपस्थिति में नवनिर्मित फामेर्सी वार्ड का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए वरिष्ठ सफाई कर्मी परशुराम प्रसाद

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु नित नये-नये कदम उठा रही है, इसी क्रम में रेल कर्मचारियों के बेहतर इलाज एवं सुविधापूर्ण तरीके से दवा उपलब्ध कराने हेतु ललित नरायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में नवनिर्मित फामेर्सी विंग एवं बहिरंग प्रखण्ड के फसाड का उद्घाटन महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर की उपस्थिति में चिकित्सालय के वरिष्ठ सफाई कर्मी श्री परशुराम प्रसाद ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंहल, प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि, प्रधान वित्त सलाहकार श्री अमरजीत गौतम, चिकित्सा निदेशक डा. मो. ए. ए. खान, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. नन्द किशोर, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. फहीम अहमद, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. अनिता शर्मा, अपर मुख्य स्वास्थय निदेशक डा. तनु वर्मा सहित वरिष्ठ रेल अधिकारी, डॉक्टर, चिकित्सकीय सुपरवाइजर एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री बोरवणकर सहित प्रमुख विभागाध्यक्षों ने चिकित्सालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। महाप्रबंधक श्री बोरवणकर ने नव निर्मित फामेर्सी वार्ड में उपलब्ध कराई गई अत्याधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा उन्होनें चिकित्सकों को हर समय उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया। उन्होंने कर्मचारियों को दी जा रही सुविधाओं का गहनता से अवलोकन किया। नव निर्मित फामेर्सी वार्ड को पूर्णतः वातानुकूलित बनाया गया है, जिसमें 10 काउंटर बनाये गये है, जो चिकित्यालय में दवा वितरण को सुचारू एवं सुविधाजनक बनायेंगे। फामेर्सी वार्ड में मरीजों तथा उनके परिजनों को बैठने हेतु पर्याप्त एवं उत्तम व्यवस्था के साथ ही साथ पुरूष एवं महिला हेतु अलग-अलग प्रसाधन की व्यवस्था की गई है। चिकित्सा निदेशक डा. मो. ए. ए. खान ने नवनिर्मित फामेर्सी वार्ड के बारे में महाप्रबंधक को अवगत कराया।

भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी (63 किमी) नई रेल लाइन (6,753 करोड़ रूपए की लागत वाली) को मंजूरी मिली

गोरखपुर : भानुपल्ली-बिलासपुर-बेरी (63 किमी) नई रेल लाइन परियोजना को लागत-साझाकरण के आधार पर स्वीकृत किया गया है। इसमें हिमाचल प्रदेश सरकार की 25 प्रतिशत और केंद्र सरकार की 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा, 70 करोड़ रुपये से अधिक की भूमि की पूरी लागत हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा वहन की जाएगी। 1617 करोड़ रुपये की भूमि लागत सहित परियोजना का विस्तृत अनुमान 6753 करोड़ रुपये की लागत पर स्वीकृत किया गया था। हिमाचल प्रदेश में परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 124 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। इस आवश्यकता के मुकाबले, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा केवल 82 हेक्टेयर भूमि ही उपलब्ध कराई गई है। परियोजना का कार्य शुरू कर दिया गया है। बिलासपुर से बेरी तक की भूमि अभी तक हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा नहीं सौंपी गई है। भूमि की अनुपलब्धता परियोजना को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है। परियोजना पर अब तक कुल व्यय 5,252 करोड़ रुपये है। लागत-साझाकरण व्यवस्था के अनुसार, हिमाचल प्रदेश सरकार को 2,711 करोड़ रुपये देने थे। हालांकि, उन्होंने केवल 2,711 करोड़ रुपये ही जमा किए हैं। उन्होंने लागत में अपना हिस्सा 847 करोड़ रुपये हिस?से के रूप में जमा कर दिया है। इस प्रकार, हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के पास 1,863 करोड़ रुपये शेष हैं और इस कारण परियोजना की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। राज्य सरकार द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन न करने के कारण इस परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। परियोजना को गति देने के लिए राज्य सरकार के सहयोग की आवश्यकता है। केंद्र सरकार परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए तत्पर है, हालांकि सफलता हिमाचल प्रदेश सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है। हिमाचल प्रदेश हिमाचल प्रदेश राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और सुरक्षा कार्यों के लिए वर्ष 2009-14 में रु. 108 करोड़ तथा वर्ष 2025-26 में रु. 2716 करोड़ बजट आवंटित किया गया जो वर्ष 2009-14 की तुलना में 25 गुना से ज्यादा अधिक है।

रेल सुरक्षा रिकॉर्ड सुधार में वृद्धि : वार्षिक दुर्घटनाएं 2004-14 के औसत 171 से घटकर 2025-26 में अब तक 11 रह गई हैं

गोरखपुर : भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। किसी भी असामान्य घटना की रेलवे प्रशासन द्वारा गहन जांच की जाती है। तकनीकी कारणों के अलावा किसी अन्य कारण की आशंका होने पर राज्य पुलिस की सहायता ली जाती है। कुछ मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से भी मार्गदर्शन लिया जाता है। हालांकि, जांच का प्राथमिक माध्यम राज्य पुलिस ही है। यह संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप है। इसके अंतर्गत आपराधिक गतिविधियों की जांच, कानून व्यवस्था बनाए रखना और पटरियों, पुलों, सुरंगों आदि रेलवे के बुनियादी ढांचे की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। वर्ष 2023 और 2024 में रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़/तोड़फोड़ की सभी घटनाओं में, राज्यों की पुलिस/जीआरपी और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा मामले दर्ज किए गए। इसके बाद जांच, अपराधियों की गिरफ्तारी की गई और उन पर मुकदमा चलाया गया। रेलवे द्वारा राज्य पुलिस/जीआरपी के साथ बेहतर समन्वय, ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए समन्वित कार्रवाई और निगरानी के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं: चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों और असुरक्षित इलाकों में रेलकर्मियों, रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और सिविल पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से लगातार गश्त की जा रही है। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों, असुरक्षित इलाकों में गश्त करने और खतरों को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने हेतु विशेष दल गठित किए गए हैं। रेलवे पटरियों के पास पड़ी सामग्री को हटाने के लिए नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं। इसका उपयोग शरारती तत्व रेलवे ट्रैक पर रखकर अवरोध उत्पन्न करने के लिए कर सकते हैं। रेलवे ट्रैक के पास रहने वाले लोगों को ट्रैक पर अवांछित सामग्री रखने, रेल घटकों को हटाने के बाद होने वाली संभावित घटनाओं के परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उनसे सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का अनुरोध किया जा रहा है। रेलवे राज्य स्तरीय सुरक्षा समिति (एसएलएससीआर) की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इनका गठन प्रत्येक राज्य में सम्बंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस महानिदेशक/पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में किया गया है। इसमें रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी और खुफिया इकाइयों के प्रतिनिधि शामिल हैं। अपराध पर नियंत्रण, मामलों के पंजीकरण, उनकी जांच और रेलवे परिसर के साथ-साथ चलती ट्रेनों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरपीएफ द्वारा राज्य पुलिस/जीआरपी अधिकारियों के साथ सभी स्तरों पर सक्रिय रूप से घनिष्ठ संपर्क स्थापित किया जाता है। इसमें तोड़फोड़ की घटनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है और खुफिया जानकारी साझा की जाती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त के अलावा, स्थिति के अनुसार एनआईए और सीबीआई जैसी विशेष एजेंसियां ??भी शामिल हैं। केंद्रीय और राज्य खुफिया एजेंसियों के अलावा, आरपीएफ की खुफिया इकाइयां, यानी सीआईबी और एसआईबी को नियमित रूप से जागरूक किया जाता है और उन्हें निर्देश दिए जाते हैं कि वे खुफिया जानकारी एकत्र करें और पुलिस अधिकारियों के समन्वय से तोड़फोड़ के प्रयासों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुधारने के लिए भारतीय रेल द्वारा कई उपाय किए गए हैं।

रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन अपने रेल यात्रियों को सुविधाजनक एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ रेल राजस्व की क्षति रोकने के लिए व्यापक कदम उठायें जा रहे है। इसी क्रम में महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 01 से 11 दिसम्बर, 2025 तक गोरखपुर से सीवान, गोरखपुर से बस्ती एवं गोंडा, गोरखपुर से सिसवा बाजार तथा गोरखपुर से सलेमपुर रेल खण्डों में विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित किया, जिसमें अनधिकृत यात्रियों/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ के आई.डी. की जॉच की गयी, जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित टिकट के साथ/बिना बुक सामान के कुल 1434 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रूपया 9,24,414/-(नौ लाख चौबीस हजार चार सौ चौदह रुपए) के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर निरन्तर स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

कोहरे में सुरक्षित टेज्न संचालन के लिए 980 फॉग सेफ डिवाइस की व्यवस्था

गोरखपुर,: सुरक्षित एवं संरक्षित रेल यात्रा, रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसे सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के लिए निरन्तर कार्य किया जाता है। सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, इस मौसम में इस क्षेत्र में कोहरे का प्रभाव रहता है, जिसे ध्यान में रखते हुए संरक्षित टेज्न संचालन हेतु सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर कुल 980 फॉग सेफ डिवाइस की व्यवस्था की गई है, जिनमें से लखनऊ मंडल में 315, इज्जतनगर मंडल में 250 तथा वाराणसी मंडल में 415 फॉग सेफ डिवाइस उपलब्ध कराये गये है। सभी प्रकार के सिगनल पोस्टों पर ल्यूमिनस स्ट्रिप लगाई गई है, सिगनल साइटिंग बोर्ड पर लाइन मार्किंग करा दिया गया है। समपारों पर लगे बैरियर पर ल्यूमिनस स्ट्रिप लगाई गई है। कोहरे के दौरान सुरक्षित, संरक्षित एवं अपेक्षाकृत तेज टेज्न संचालन में आधुनिक जी.पी.एस. आधारित फॉग सेफ डिवाइस का महत्पूर्ण योगदान है। इस डिवाइस के उपयोग में आने के पूर्व कोहरे के दौरान अधिकतम गति 60 किमी प्रति घंटा अनुमेय थी। जबकी फॉग सेफ डिवाइस के लोको में लग जाने के बाद अधिकतम अनुमेय गति 75 किमी प्रति घंटा हो गई अर्थात पहले की तुलना में अब टेज्नें कोहरे के दौरान 25 प्रतिशत ज्यादा गति से चल सकती हैं। इस फॉग सेफ डिवाइस के माध्यम से आने वाले सिगनल की जानकारी मिलने से लोको पायलटों का भरोसा बढ़ा है। इससे एक लाभ यह भी मिला है कि अब फॉग सिगनल मैन भेज कर डेटोनेटर (पटाखा) लगाने की आवश्यकता भी खत्म हुई है। कोहरे के दौरान पूर्ण ब्लॉक पद्धति एवं स्वचालित ब्लॉक पद्धति में गाडियों के संचालन के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सभी लोको पायलटों एवं सहायक लोको पायलटों की काउसलिंग की गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों में सभी रेल खण्डों पर सभी यात्रियों एवं मालगाड़ियों में फॉग सेफ डिवाइस का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा कोहरे के पूर्व एवं कोहरे के दौरान सुरक्षित एवं सहज परिचालन सुनिश्चित करने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पटरियों के निगरानी के लिये रात्रिकालीन पेट्रोलिंग की जा रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे एवं दक्षिण रेलवे के बीच खेले गये मैच का एक दृश्य

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे के तत्त्वावधान में 10 से 13 दिसम्बर, 2025 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में खेली जा रहीं 32वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2025 के तीसरे दिन 12 दिसम्बर, 2025 को सायं सत्र में खेले गये सेमीफाइनल मैच में पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण रेलवे पर को कड़े मुकाबले में 75-64 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्वोत्तर रेलवे के भीम सिंह, राम आसरे, सूर्यभान सिंह, दीपक, मनोज, अजय मल्ल ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके पूर्व, मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रातःकालीन सत्र में अपने शानदार प्रदर्शन से पश्चिम रेलवे को 47-39 अंको से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। प्रातः काल के अन्य मैच में उत्तर रेलवे ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को 41-29 अंकों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया तथा सेमीफाइनल मुकाबला उत्तर रेलवे और पश्चिम रेलवे के बीच हुआ, जिसमें उत्तर रेलवे ने 55-48 अंको से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की। इस अवसर रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं भारी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मुख्य अतिथ्य में प्रतियोगिता का फाइनल मैच 13 दिसम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे एवं उत्तर रेलवे के बीच खेला जायेगा।

बीएचयू के दीक्षांत समारोह में 29 गोल्ड मेडलिस्ट को अंग्रेजी में दिलाई शपथ

वाराणसी। बीएचयू का 105वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को स्वतंत्रता भवन में शुरू हुआ। इस दौरान मेधावियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। बीएचयू का 105वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को मनाया जा रहा है। अंग्रेजी और बाद में हिंदी परिचय के साथ समारोह शुरू हुआ। इस दौरान 29 गोल्ड मेडलिस्ट को कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने अंग्रेजी में शपथ दिलाई। इसके बाद शिष्ट मंडल के सभी सदस्यों ने अंग्रेजी में 544 मेडल और उपाधियों को देने की घोषणा की। दो मेधावियों अनुराधा द्विवेदी और तुहीन को चांसलर और महाराजा विभूति नारायण गोल्ड मेडल सहित 29 टॉपर्स को बीएचयू गोल्ड मेडल से नवाजा गया। बीएचयू के 105वें दीक्षांत समारोह में 12 हजार से ज्यादा छात्र और छात्राओं को उपाधियां दी जाएंगी। जो अनुपस्थित थे उनकी ओर से कुलसचिव ने मंच से उपाधि की घोषणा की। डीजे डांस रोकने के लिए पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि नीति आयोग के सदस्य डॉ. विजय कुमार सारस्वत हैं। पूरे दीक्षांत समारोह के दौरान डीजे डांस को स्वीकृति नहीं दी गई है। इस पर रोक को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात की गई है। सुबह 11 बजे से स्वतंत्रता भवन सभागार में मुख्य समारोह शुरू हुआ। बीएचयू के सभी 16 संकायों में 13,650 उपाधियां और 554 मेडल दिए जाएंगे। कुल 712 पीएचडी, 5459 पीजी, 7364 यूजी उपाधियां दी जाएंगी। इनके अलावा एमफिल की चार उपाधियां और एक डॉक्टर को डी. लिट भी मिलेंगी। दीक्षांत के दौरान जो भी छात्र बीएचयू में नहीं आ पाए, उन्हें एक महीने के अंदर डिग्री उनके घर भेजी जाएगी। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा दीक्षांत समारोह की तिथि के एक महीने के बाद पंजीकृत डाक द्वारा परीक्षा फॉर्म में दिए पते पर स्वतः ही उपाधि मिल जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बभनान क्षेत्र में 10 घंटे गुल रही बिजली

बभनान। बभनान- हरैर्या के बीच 33 केवी लाइन पर सुबह 6 बजे सूखा पेड़ गिर गया। जिससे लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। बभनान उपकेंद्र से नगर पंचायत और ग्रामीण क्षेत्र में पूरे दिन बिजली गुल रही। किसानों को खेत की सिंचाई करने के लिए दिन भर परेशान नजर आए। वहीं बिजली न रहने कारोबार भी प्रभावित रहा। छोटे- बड़े कारखाने विद्युत आपूर्ति ठप होने से संचालित नहीं हो सकें। बताया जा रहा है कि 33 केवी लाइन पर पेड़ गिरने से चोरखरी गांव के पास दो इंसुलेटर जल गए थे। यह फाल्ट खोजने में विद्युत निगम की टीम को काफी समय लग गए। दोपहर बाद फाल्ट का पता चला तो टीम मरम्मत कार्य में जुटी। विद्युत आपूर्ति बहाल करने में शाम चार बज गए। जिससे दिन में लगभग 10 घंटे आपूर्ति बाधित रही। उपकेंद्र से जुड़े गौर फीडर, पैकोलिया फीडर, बेदीपुर फीडर व नगर पंचायत के टाउन फीडर पर आपूर्ति बाधित रही।

धंधेबाज हुए भूमिगत निशाने पर दवाओं की कई और फर्मे

बस्ती। देश भर के दवा बाजार में कोडीन युक्त सिरप की आपूर्ति का मामला गर्म हुआ तो बस्ती भी चर्चा में आ गया। दवा व्यापार की आड़ में कोडीन युक्त सिरप के धंधे से जुड़े कई चेहरे बेनकाब हो गए हैं। दवा कारोबार में अच्छी खासी रसूख वाले कुल आठ लोग पुलिस कार्रवाई की जद में आ चुके हैं। पुरानी बस्ती और कोतवाली थाने में इनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हो चुका है। पूरब के इस मध्य अंचल में बस्ती समेत आसपास के जिले और नेपाल सीमा तक कोडीन युक्त सिरप सप्लाई के यह मुख्य किरदार बताए जा रहे हैं। अभी इनके नेटवर्क में और भी लोगों के शामिल होने की खबर मिल रही है। पुलिसिया जांच आगे बढ़ने पर कई नए चेहरे सामने आ सकते हैं। बस्ती में एक महीने के भीतर ताबड़तोड़ कोडीन युक्त सिरप की दो खेप पकड़ी गई। पहली बार नवंबर में पुरानी बस्ती क्षेत्र के खुशबू गोयल पत्नी शंकर गोयल के दवा गोदाम में 15,696 बोतल कोडीन युक्त सिरप की खेप पकड़ी गई थी। दूसरी बार तीन दिन पहले 9 दिसंबर को कोतवाली क्षेत्र के गणपति फार्मा के माध्यम से 1.72 लाख शीशी कोडीन युक्त सिरप के खपाने का मामला सामने आया। इसमें स्थानीय चार अन्य फर्मों की ओर से सप्लाई करने भूमिका पकड़ में आई। संबंधित फर्मों के संचालकों के खिलाफ कोतवाली में एफआईआर भी दर्ज हुआ है। पुलिस रडार पर आ चुके दवा व्यवसाय से जुड़े यह चेहरे अब गिरफ्तारी की भय से भूमिगत बताए जा रहे हैं। ताबड़तोड़ कोडीन युक्त सिरप बरामद होने के साथ बड़ी मात्रा में इसकी खेप खपाने वाले धंधेबाज पुलिस पकड़ से अभी दूर हैं। जबकि इनका नाम सामने आने के बाद नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों में हलचल बढ़ गई है। इन फर्मों के जरिये सप्लाई लेकर कोडीन युक्त सिरप बेचने वाले दवा दुकानदार की धड़कने भी बढ़ी हुई है। उन्हें आशंका है कि मुख्य किरदार पकड़े जाने के बाद उनके नाम का भी खुलासा हो सकता है।

कोड़री गांव में मिला व्यवसायी का शव, हत्या की आशंका

मानिक चंद। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के बस्ती-बांसी मार्ग के कोड़री गांव के पास बुधवार की देर रात गल्ला व्यवसायी का शव सड़क किनारे मिली। परिवार वालों ने हत्या की आशंका जताई है।वाल्टरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार वालों के अनुसार, रुधौली थाना क्षेत्र के नटाई कला गांव निवासी नीरज सिंह (25) बुधवार की शाम करीब चार बजे किसी काम से नवीन कृषि उत्पादन समिति मंडी बस्ती गए थे। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो मां शांति देवी ने फोन किया। नीरज ने बताया कि हरैर्या में हैं, मां ने जल्दी घर आने की बात कहकर फोन काट दिया। नीरज के चाचा रणवीर सिंह ने बताया कि रात करीब 10:30 बजे किसी का फोन आया कि नीरज का शव व पल्सर बाइक कोड़री गांव के पास पड़ा है। इसके बाद वह लोग मौके पर पहुंचे तो देखा पुलिस भी मौजूद है। नीरज के चाचा ने बताया कि मामला लेनदेन का और भतीजे की हत्या कर गई है। वाल्टरगंज के थानेदार जयवर्धन सिंह ने बताया कि परिवार वालों ने फिलहाल तहरीर नहीं दी है। परिवार वाले हत्या की आशंका जाहिर कर रहे हैं, छानबीन की जा रही है।

दो जोड़ों में कराया समझौता

बस्ती। पारिवारिक मनमुटाव से अलग-अगल रह रहे दो जोड़ों को बृहस्पतिवार को पुलिस ने फिर एक साथ रहने के लिए राजी कर लिया। पिंक बूथ पर दोनों जोड़ों की काउंसिलिंग की गई। पुलिस के अनुसार, नगर थाना क्षेत्र की रहने वालीपूनम पति मंगरू से नाराज होकर अलग रहती थीं। इसी तरह रजली निवासी बेबीनाज की भी पति सत्तार अहमद से रिश्ते ठीक नहीं थे। पिंक बूथ पर तैनात महिला सिपाहियों ने दोनों जोड़ों को एक साथ रहने के लिए राजी कराया।

राष्ट्रीय लोक अदालत कल, तैयारियां पूरी

बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 13 दिसंबर को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें सुलह-समझौते से मामले का निस्तारण किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए बुधवार को प्रचार वाहन भी जिला जज शमसुल हक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। अपर जिला जज/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को जनपद न्यायालय, कलक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में में आपराधिक शमनीय वाद, परकाम्य लिखित अधिनियम की धारा-138 से संबंधित मामलें, बैंक वसूली के मामलें, मोटर दुर्घटना से संबंधित याचिकाएं, श्रम वाद, पारिवारिक वाद, भूमि अधिग्रहण से जुड़े वाद, विद्युत व जलकर विवाद के निस्तारण किए जाएंगे।

अनियोजित तरीके से बना रहे थे नाला, टीम ने पकड़ीं खामियां

बस्ती। शहर में अनियोजित विकास के जरिये नगरीय विकास को आए बजट को जैसे-तैसे खपाने का खेल पकड़ा गया है। निर्माण संबंधी जांच में इसका खुलासा हुआ है। अब ऐसे निर्माण कार्यों का भुगतान रोक दिया गया है। निर्माण में जो खामियां मिली हैं उसमें सुधार कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। बता दें कि शहर में 15वें वित्त समेत अन्य उपलब्ध बजट से नौ छोटे-बड़े नाले बनाए जा रहे हैं। दो करोड़ रुपये की इस परियोजना में पहले से खामियां मिल रहीं थीं। नागरिकों की ओर से की गई शिकायत के बाद ईओ अंगद गुप्ता एक्शन में आए। उन्होंने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई और जांच कर एक पखवारे में रिपोर्ट मांगी थी। क्रमवार नौ चिह्नित नाले की जांच हुई। सबसे पहले नालियों की स्थिति का निरीक्षण किया। इसमें कई जगहों पर स्लैब टूटी हुई पाई गई। इसके अलावा नाली के ढक्कन में प्रयुक्त सरिया की गुणवत्ता की भी जांच की गई। फीते से माप लेकर सरिया की मोटाई जांची गई और यह देखा गया कि तकनीकी मानकों के अनुसार सामग्री का प्रयोग हुआ है या नहीं। आड़ा-तिरछा नाले, ईंट भी खराब आदि की रिपोर्ट है। कई हिस्सों में नाली पूर्ण नजर नहीं आई और मानक के तहत निर्माण नहीं होना पाया गया। जांच टीम ने इन खामियों को नोट करते हुए मौके पर साक्ष्य भी एकत्र किया।

पठान ने टी20 उपकप्तान गिल पर साधा निशाना

नई दिल्ली। पठान ने कहा, 'सूर्यकुमार पर भी दबाव होगा क्योंकि वह कप्तान हैं और कप्तान होने के नाते अंतिम एकादश में आपकी जगह स्वतः ही पक्की हो जाती है। एक खिलाड़ी के तौर पर अगर आपने एक साल में रन नहीं बनाए हैं, तो आप दबाव में होते हैं।' भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि शुभमन गिल की खराब फॉर्म न केवल उन पर व्यक्तिगत रूप से बल्कि टीम प्रबंधन पर भी दबाव बढ़ा रही है। पठान ने जियो हॉटस्टार पर कहा कि संजू सैमसन को वापस लाकर पहले की तरह के सफल बल्लेबाजी संयोजन को बहाल करना भी उतना आसान नहीं होगा, क्योंकि केरल के इस खिलाड़ी को भी अपनी लय वापस पाने में कुछ समय लगेगा। सैमसन की जगह गिल को मौका भारत के लिए टी20 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर सैमसन काफी सफल रहे थे। इसके बाद जब गिल को टी20 उप-कप्तान बनाया गया तो सैमसन की जगह उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया। भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान गिल हालांकि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए।

संक्षिप्त समाचार

शिल्प मेला में मिलेगी चंदेरी की साड़ी और कुल्लू की शॉल

ग्वालियर। हस्तशिल्प प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ग्वालियर व्यापार मेले के पास शिल्प बाजार मेला लगाया जा रहा है, जो 12 दिसंबर से शुरू होकर 18 दिसंबर तक चलेगा। मेले में सैलानियों को चंदेरी की साडियां, कुल्लू की शॉल, आर्टीफिशियल ज्वेलरी, जानवरों के सींग से बनी कलाकृतियां, बधोई के कारपेट, आगरा के कांच का सामान आदि खरीदने को मिलेगा। भारत सरकार हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय के सहायक संचालक अर्चित साहरे ने बताया मेले में देशभर से आए 40 शिल्पी दुकानें लगाएंगे। दुकानों का आवंटन 12 दिसंबर को ही पूरा किया जाएगा।

दीपक अग्रवाल फिक्की के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत

ग्वालियर। मप्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल को नई दिल्ली फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। ग्वालियर इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी प्रतिनिधि को फिक्की अध्यक्ष द्वारा इस राष्ट्रीय समिति में स्थान प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि पर चेम्बर अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष हेमन्त गुप्ता, उपाध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष संदीप नारायण अग्रवाल ने उन्हें बधाई दी है।

बिलौआ में सीसी रोड का किया भूमि पूजन

बिलौआ। नगर परिषद बिलौआ द्वारा वार्ड 15 में नहर से टटर तक एवं मुकेश परिहार के निवास से स्कूल तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन पार्षद सुनील चौरसिया ने वार्ड के लोगों के द्वारा कराया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष विजयलक्ष्मी शिवराम चौरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहम्मद सलीम खान, पार्षद प्रीतम सिंह पारधी, उपयंत्री शिवशंकर सिसोदिया, लेखापाल अरुण कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

कविता प्रतियोगिता में श्रुति और अनुषी विजयी

ग्वालियर। भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की बोर्ड ऑफ स्टडीज द्वारा आयोजित नेशनल टेलेंट सर्च कविता प्रतियोगिता का ग्वालियर शाखा में आयोजन किया गया। जिसमें शहर के कई विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता में श्रुति शर्मा और अनुषी वर्मा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने न केवल कविता लेखन की कला को उजागर किया, बल्कि उनकी बहुमुखी प्रतिभा को भी सामने रखा। स्वागत भाषण स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए पंकज शर्मा ने दिया।

दीपावली को वैश्विक पहचान मिलने से शहर में खुशी की लहर

ग्वालियर

रोशनी और खुशियों का पर्व दीपावली अब वैश्विक मंच पर अपनी चमक बिखेरने को तैयार है। यूनेस्को ने दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में शामिल कर दुनिया को इस भारतीय परंपरा की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को सम्मान दिया है। इस घोषणा के बाद देशभर के साथ ही ग्वालियर में भी उत्साह और खुशी की लहर है। शहरवासियों ने इसे भारत के बढ़ते सांस्कृतिक प्रभाव का प्रतीक बताया है।

दीपावली भारतीय जीवन में केवल त्योहार नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द, पारिवारिक जुड़ाव और आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती देता है। यूनेस्को की सूची में शामिल होने से दीपावली की वैश्विक प्रतिष्ठा और अधिक बढ़ गई है। इसी को लेकर 'स्वदेश' ने कुछ लोगों से बातचीत की। प्रस्तुत है बातचीत के प्रमुख अंशः

भारत का स्वाभिमान बढ़ा है: रामसेवक दास महाराज

'श्री पूरन वैराठी पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवक दास महाराज ने कहा कि दीपावली के धरोहर सूची में आने से भारत का स्वाभिमान और बढ़ा है। यह उत्सव सदियों से हमारे आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार रहा है। यह उपलब्धि हम सभी के लिए गौरव की बात है।

दीपावली की रोशनी अब विश्व को रोशन करेगी: अण्णा महाराज

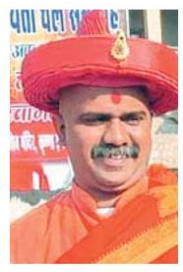

'हठ योगी संत सद्गुरु अण्णा महाराज मठ के महंत मनीष विट्ठल अण्णा महाराज ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह निर्णय सनातन संस्कृति के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि दीपावली मानवता को शांति और शांति का संदेश देती है और अब इसकी रोशनी दुनिया तक पहुंचेगी।

अब दीपावली के बारे में विश्व जानेगा: संत कृपाल सिंह

संत कृपाल सिंह महाराज ने कहा कि दीपावली का पर्व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक होने के साथ अंधकार से प्रकाश में लाने का पर्व है। धरोहर सूची में शामिल होने से संपूर्ण विश्व अब दीपावली के बारे में जान सकेगा। सभी के हृदय से अंधकार मिटे और प्रकाशित होते रहें, यही हमारी वास्तविक दीपावली होगी।

हम सभी के लिए गौरव का विषय: विजय

श्री सनातन धर्म मण्डल के अध्यक्ष एवं चेम्बर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष विजय गोयल ने कहा कि दीपावली को यूनेस्को द्वारा मान्यता मिलना हर भारतीय के लिए गौरव की बात है। इससे हमारी सांस्कृतिक परंपराओं का भी सम्मान हुआ है।

गणेश बाग मंदिर निर्माण के लिए किया शिला पूजन

ग्वालियर। एबी रोड स्थित गणेश बाग मंदिर के निर्माण के लिए मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय परिवार ने शिला पूजन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने यथाशक्ति दान राशि देकर मंदिर निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक ने कहा कि गणेश बाग मंदिर निर्माण की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर समाज के सहयोग से आध्यात्मिक एवं चेतना का केंद्र बनेगा। उन्होंने लोगों से शिला पूजन यज्ञ में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया। शिला पूजन यज्ञ में पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय की शासी निकाय के अध्यक्ष एवं भूतपूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश शुक्ला, महाविद्यालय के पूर्व छात्र अशोक शर्मा, सुधीर गुप्ता, आरके बापट सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों के अभिभावकों ने श्रद्धा व उत्साह के साथ भाग लिया।

बैंड बाजे के साथ आई भगवान श्री कृष्ण की बारात

ग्वालियर

पुराना हाईकोर्ट स्थित श्री गिरिराज मंदिर के समीप चल रही श्रीमद् भागवत कथा में गुरुवार को श्रीकृष्ण और रुकमणी विवाह हुआ, जिसमें ढोल ताशे और बैंड बाजे के साथ भगवान श्रीकृष्ण की बारात आई। इसके पश्चात भगवान का विवाह संपन्न कराया गया। कथा के छठवें दिन आचार्य राम दुबे शास्त्री ने कहा कि श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह प्रसंग को सुनने से जीवन की वैवाहिक समस्या दूर हो जाती है। इस मौके पर उन्होंने कजरारे तेरे मोटे मोटे नैन, मैनू नचना मोहन दे नाल आज मेनू नच लेन दे, जब से सांवरे ने पकड़ा मेरा हाथ तो हो गई मेरी बल्ले-बल्ले भजन सुनाए। जिन्हें सुनकर श्रोता झूम उठे। इस मौके पर अरुण पटेरिया, मनोज बुधौलिया, महेश बत्रा, मोहनलाल अरोड़ा, राजू पंडित आदि उपस्थित रहे।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल का पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित

माथुर वैश्य इंटरनेशनल लश्कर क्लब ग्वालियर का पारिवारिक मिलन समारोह गत दिवस नागाजी बैंकेट सागरताल रोड़ पर आयोजित किया गया। जिसमें आकर्षण का केंद्र मातृ-पितृ पूजन रहा। संस्था के सदस्यों के माता-पिता का चंदन का टीका लगाकर और माल्यार्पण कर उनसे आशीर्वाद लिया। वक्ताओं ने कहा कि मां से बड़ा कोई शब्द नहीं और मां से बड़ी कोई शख्सियत नहीं है। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी प्रमोद गुप्ता, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, राजीव गुप्ता, दीपक गुप्ता, ममता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

भागवत कथा सुनने से होती है मोक्ष की प्राप्तिः शिवम

कलियुग में भागवत कथा सुनने मात्र से ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है और यह मनुष्य के भीतर ज्ञान और वैराग्य को जागृत करती है। यह विचार शिवपुरी लिंक रोड़ स्थित ग्रीन साउथ एवेन्यू में धर्मसभा को संबोधित करते हुए शिवम महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन केवल विषय-वासनाओं को भोगने के लिए नहीं मिला है, बल्कि भगवान की निःस्वार्थ भक्ति कर अपने जीवन को सफल बनाने के लिए है।

आईटीएम में 'हैंड इन फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर' पर संगोष्ठी

एआई आधारित सतत खाद्य प्रणाली पर हुआ मंथन

ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेस के खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में 'हैंड इन फॉर बेटर फूड्स एंड बेटर फ्यूचर' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। फूड सेफ्टी एंड हाइजीन क्लब व बायो प्रेमिया सॉल्यूशंस प्रा. लि. के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी की डॉ. नूपुर गौतम शामिल हुईं। डॉ. गौतम ने कहा कि पारंपरिक खाद्य प्रणालियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों से जोड़कर एक सतत, सुरक्षित और जलवायु-संवेदनशील खाद्य व्यवस्था तैयार की जा सकती है। उन्होंने कहा कि बेहतर भोजन वही है, जो मानव और प्रकृति दोनों के पोषण का ध्यान रखता है। संगोष्ठी संयोजक एवं स्कूल ऑफ साइंसेस की डीन डॉ. ऋचा कोठारी ने स्वागत भाषण में बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और एआई के समन्वय के माध्यम से सतत खाद्य प्रणाली को बढ़ावा देना है। संगोष्ठी के तहत छात्र-छात्राओं द्वारा नवाचार आधारित फूड स्टॉल, पोस्टर प्रेजेंटेशन और एडुल्ट्रेशन किट का लाइव प्रदर्शन किया गया। पर्यावरण अनुकूल बर्तनों में आईकेएस आधारित व्यंजन प्रस्तुत कर छात्रों ने सतत विकास के प्रति जागरूकता दिखाई। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभिन्न श्रेणियों में छात्रों को अवॉर्ड प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन सहायक प्राध्यापिका सृष्टि मोदी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

शराब कारोबारी के मुनीम को लूटने वाले दो दबोचे

एक हजार बिस्तर चिकित्सालय के पास बदमाशों ने बनाया था शिकार

ग्वालियर

शराब कारोबारी के मुनीम के साथ मारपीट कर दो लाख रुपए लूटकर भागे दो बदमाशों को पुलिस ने पकड़ लिया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल कार कैंसर पीड़ित के नाम पर फायनेंस कराई थी, पुलिस ने उक्त कार को भी बरामद कर लिया। बता दें पुलिस लूटपाट की घटना को पहले संदेह मानकर चल रही थी लेकिन बाद में फुटेज देखने पर लूटपाट की पुष्टि हो गई थी।

शराब कारोबारी जगदीश शिवहरे के मुनीम अनिल सिंह राजपूत निवासी शब्द प्रताप आश्रम के साथ मंगलवार रात ग्यारह बजे हजार बिस्तर चिकित्सालय के पास कार सवार बदमाशों ने मारपीट कर दो लाख रुपए लूट लिए थे। पीड़ित जब थाने पहुंचा और अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया तो पुलिस ने पहले उसे हड़का दिया था। लेकिन सुबह होने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी देखे तो इस बात की पुष्टि हो गई कि अनिल के साथ लूटपाट हुई है। पुलिस कार सवार बदमाशों का फुटेज के आधार पर पीछा करते हुए मुरैना तक पहुंच गई। पुलिस ने राहुल लोधी और जितेन्द्र सोलंकी को पकड़ लिया है।

राहुल के साथ बनवारी लोधी और दो अन्य बदमाश थे जिसकी तलाश में पुलिस क्षेत्र में दबिश दे रही है। पुलिस ने कार को धौलपुर से बरामद कर लिया है। बनवारी लोधी पर गिरवाई थाना में दुष्कर्म का प्रकरण पंजीबद्ध है। पुलिस को संदेह है कि बनवारी के साथ राहुल लोधी हो सकता है जिस बारे में पड़ताल की जा रही है।

पेंशनर्स का राष्ट्रीय अधिवेशन 21 से

ग्वालियर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ राष्ट्रीय अधिवेशन 21 और 22 दिसंबर को अयोध्या में होगा। जिसमें मध्य प्रदेश से 70 पेंशनर्स भाग लेंगे। महासंघ के उपाध्यक्ष आरएस तरेटिया ने बताया कि इस अधिवेशन के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिकरवार होंगे।

ग्वालियर मेला शुरू होने में 14 दिन, तैयारियों के नाम पर सन्नाटा, तय समय पर कैसे लगेगा?

ग्वालियर

ग्वालियर का प्रसिद्ध व्यापार मेला 25 दिसंबर से आरंभ होना तय है, लेकिन तैयारियों की स्थिति देखकर यह कहना मुश्किल है कि मेला तय तारीख पर लग पाएगा। मैदान लगभग पूरी तरह खाली पड़ा है, सिवाय कुछ जगहों पर फर्नीचर और झूला सेक्टर में हल्की-फुल्की गतिविधि के। ऐसे में माना जा रहा है कि मेला शायद 10 जनवरी तक ही शुरू हो सकेगा, जबकि ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण और जिला प्रशासन अब भी 25 दिसंबर से मेला शुभारंभ का दावा कर रहे हैं।वर्ष 1905 में महाराज माधौराव सिंधिया (प्रथम) द्वारा शुरू किया गया यह मेला पहले 'मेला मवेशियान' के रूप में प्रसिद्ध था। पशुधन की नस्ल सुधारने, किसानों और पशुपालकों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने तथा ग्वालियर अंचल के उत्पादों को देश के अन्य भागों तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह मेला शुरू किया गया था। इसके बाद मेले की लोकप्रियता बढ़ना शुरू हुई। वर्ष 1918 में इसे वर्तमान रेसकोर्स रोड स्थित 104 एकड़ भूमि पर स्थाई रूप से स्थापित किया गया और इसे नया नाम मिला 'व्यापार मेला एवं कृषि प्रदर्शनी'।

अभी तक एक भी दुकान नहीं लगी है

वर्तमान समय में पूरा मेला खाली पड़ा हुआ है। यहां एक भी दुकान बनकर तैयार नहीं हो सकी है। झूला सेक्टर में जरूर झूला लगाने का काम चल रहा है। वहीं कुछ एक जगह बांस-बल्ली जरूर लग रही हैं। वहीं ऑटोमोबाइल कारोबारियों का भी कुछ अता-पता नहीं है। वह रोड़ टैक्स छूट के इंतजार में बैठे हुए हैं। मेले में घुसते ही सामने का सेक्टर पूरा का पूरा खाली है। इसके बाद प्रदर्शनी सेक्टर में केवल कुछ जगह डंडे लगे हैं। जबकि आगे का क्षेत्र पूरा का पूरा खाली पड़ा है। मेले की सभी दुकानें और कोठी खाली पड़ी हुई है। इनमें गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। मीना बाजार तो पूरा का पूरा खण्डहर जैसा दिखाई दे रहा है। छत्रियों की हालत जर्जर है। हांलाकि सड़कों का निर्माण तो पूरा हो गया है, लेकिन शौचालय और पेयजल व्यवस्था अब भी अधूरी है। मेला प्राधिकरण अपनी नाकामी छिपाने के लिए मेले के मुख्य द्वार का मेकअप कर रहा है। यहां स्वागत द्वार बनाकर अगल-बगल की दुकानों पर रंग-रोगन जरूर किया जा रहा है।

मेला 25 दिसम्बर से शुरू करने की मांग

ग्वालियर व्यापार मेला व्यापारी संघ ने गुरुवार को संभाग आयुक्त मनोज खत्री से मुलाकात कर मेला का शुभारंभ 25 दिसंबर को करने की मांग की। साथ ही कहा कि 25 दिसंबर को जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ग्वालियर आ रहे हैं तो उनके हाथों से ही मेला का शुभारंभ करा दिया जाए। मांग करने वालो में मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भदकारिया, सचिव महेश मुदगल, संयुक्त अध्यक्ष अनिल पुनियानी, जगदीश उपाध्याय आदि शामिल रहे।

आरंभ में मेला अवधि 20 दिसंबर से 14 जनवरी तक तय की गई और आज यह मेला 25 दिसंबर से 25 फरवरी तक संचालित होने लगा, लेकिन ग्वालियर का व्यापार मेला आज अपना पूरा वैभव खो चुका है। मेले की जो नींव 'मेला मवेशियान' के रूप में रखी गई थी वह आज पूर्ण रूप से खत्म हो गई है। पशु मेला तो लगना ही बंद हो गया है। साथ ही कई अन्य चीजें भी खत्म हो गई है।

कांग्रेस ने मानव श्रृंखला बनाकर किया विरोध

जर्जर सड़कों और बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

ग्वालियर

भाजपा सरकार के स्मार्ट सिटी के खोखले वादों ने ग्वालियर को एक जर्जर और खंडहर नगरी में बदल दिया है। शहर की सड़कें चारों ओर जर्जर हो चुकी हैं, जहां हर कदम पर गड्ढों का जाल नागरिकों को परेशान कर रहा है। इन टूटी सड़कों से चारों तरफ धूल का गुबार उठ रहा है जिससे महानगर की हवा अत्यधिक प्रदूषित हो गई है। सरकार पर इन विफलताओं का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को दोपहर फूलबाग चौराहा पर मानव श्रृंखला बनाकर विरोध जताया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए भाजपा सरकार की नाकामियों का पुरजोर विरोध किया। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने ग्वालियर की जनता को शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का सपना दिखाकर वोट लूटे, लेकिन हकीकत में शहर को जर्जर सड़कों और जहरीली हवा का शिकार बना दिया। प्रदूषण से हजारों परिवार बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, लेकिन सरकार सो रही है। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा, संजय सिंह राठौर, राजेन्द्र सिंह नाती, जेएच जाफरी, वीर सिंह तोमर, हेवरन सिंह कंसाना, इब्राहिम पठान, मेहबूब खां चेनवाले, अवधेश कौरव, मंगल यादव, सीमा समाधिया, चतुर्भुज धनोलिया, दर्शन मिश्रा आदि शामिल रहे।

दिल्ली रैली के लिए प्रभारी नियुक्त

अ.भा. कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर 14 दिसंबर रविवार को दिल्ली में आयोजित विशाल रैली एवं आमसभा को सफल बनाने के लिए ग्वालियर से कांग्रेस रवाना होंगे। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने रैली के लिए ब्लॉक प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी सौंपी है। ब्लॉक क्र. 1 में हमीद खां उस्मानी, 2 में पूरन सिंह कुशवाह, 3 में विकास जैन, 4 में सीमा समाधिया, 5 में राजू भदौरिया, इंदरगंज में राकेश अग्रवाल, मुरार में सुधीर मंडेलिया, थाटीपुर में चतुर्भुज धनोलिया, गोला का मंदिर में सुनीता तोमर, मेला ग्राउंड में सुनील श्रीवास पप्पू, गोल पहाड़िया में वीर सिंह तोमर, राम मंदिर में मनीषा शर्मा, हेमू कालानी में संतोष शर्मा, माधौगंज में वीना भारद्वाज और ब्लॉक कम्पू में सुग्रीव सिंह कुशवाह को प्रभारी बनाया गया है।

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नया बाजार में चेंबर के पूर्व अध्यक्ष स्व श्रीकृष्णदास गर्ग के निवास पहुंचकर उनकी पुत्रवधू श्रीमती सुमित्रा गर्ग पत्नी राजकुमार गर्ग के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव,पदमकुमार, राजकुमार, विजय कुमार,पुष्कल, वरुण, तरुण गर्ग सहित संजीव अग्रवाल कुक्कू, नरेन्द्र सिंहल आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली के छोटे भाई का निधन

ग्वालियर। वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली के छोटे भाई नागेशचंद्र श्रीमाली का हृदयगति रुक जाने से असामयिक दुःखद निधन हो गया। वे 48 साल के थे, उनकी अंत्येष्टि पैतृक निवास भिंड में की गई। उनके निधन पर पत्रकार संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

संपादकीय

बचे बचपन

पश्चिमी देश, जिस सोशल मीडिया के गुणगान करते नहीं अघाते थे, अब उन्हें इससे बच्चों में पनपती विकृतियों की हकीकत समझ में आने लगी है। सुगबुगाहट तो ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक प्रतिबंधों को लेकर हो रही है, लेकिन इस दिशा में पहल करने का साहस आस्ट्रेलिया ने सुधारवादियों के दबाव में उठाया है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा है कि वे बड़ी तकनीकी कंपनियों के अधिकार इसलिए वापस ले रहे हैं ताकि बच्चों के बच्चे होने के अधिकार और माता-पिता की मानसिक शांति के अधिकार की रक्षा हो सके। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया है कि यह सुधार जिंदगियां बदल देगा। साथ ही आस्ट्रेलिया के बच्चों को बचपन जीने का मौका देगा। आज दुनिया के तमाम देश मंथन कर रहे हैं यदि आस्ट्रेलिया यह पहल कर सकता है तो वे क्यों नहीं कर सकते। इनमें वे तमाम अभिभावक भी शामिल हैं जो अपने बच्चों की आत्महत्या के लिये सोशल मीडिया को जिम्मेदार मानते हैं। उल्लेखनीय है कि आस्ट्रेलिया में यदि सोशल मीडिया मंच 16 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट हटाने में असफल रहते हैं, तो उन्हें करीबन पांच करोड़ आस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुमार्ना चुकाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है। आस्ट्रेलियाई सरकार क्रिसमस तक मूल्यांकन करेगी कि ये प्रतिबंध कितने कारगर साबित हुए हैं। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया की पहल ने पूरी दुनिया में सोशल मीडिया से बच्चों को दूर रखने की मुहिम को नई ऊर्जा दे दी है। कमोवेश, भारत जैसे देश भी सोशल मीडिया की असामाजिकता का दंश झेल रहे हैं। इसमें बच्चों के साथ ऑनलाइन बुलिंग से लेकर ऑनलाइन ठगी तक के तमाम मामले गाहे-बगाहे सामने आते रहते हैं। विडंबना है कि आज सोशल मीडिया पर प्रसारित वयस्कों की सामग्री से बच्चे जाने-अनजाने में परिचित हो रहे हैं। वे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं। जिससे समाज में तमाम तरह की सामाजिक विकृतियां पैदा हो रही हैं। निस्संदेह, इससे आने वाले समय में घातक सामाजिक विद्रूपताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल, बच्चों के लगातार घंटों कथित सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से उनमें तमाम शारीरिक व मानसिक विसंगतियां पैदा हो रही हैं। उन्हें संस्कार अब माता-पिता व शिक्षक नहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का दोहन करने वाले निहित स्वार्थी तत्व दे रहे हैं। जो कि भारतीय जीवन-मूल्यों व संस्कारों से मेल नहीं खाते। आज सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर इतनी अश्लील व द्विअर्थी सामग्री का प्रवाह है कि हमारे किशोर आपराधिक प्रवृत्तियों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। सोशल मीडिया के घातक प्रभाव के चलते आज बच्चों के नायक बदल गए हैं। उनके आदर्श बदल गए हैं। उनका नजरिया बदल रहा है। सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर अश्लील सामग्री की उपलब्धता ने किशोरों में ब्रह्मचर्य के भारतीय मूल्यों को ताक पर रख दिया है। विडंबना यह है कि घंटों सोशल मीडिया पर बैठे रहने वाले बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। जिससे उनमें मोटापा व अनेक गैर संक्रामक रोग पनप रहे हैं। वे किशोर अवस्था में मधुमेह आदि उन रोगों के शिकार बन रहे हैं जो कभी बड़ी उम्र के लोगों को हुआ करते थे। इस संकट का एक घातक पहलू यह भी है कि मोबाइल पर लगातार सोशल मीडिया के कार्यक्रम स्क्रॉल करने वाले बच्चों की मानसिक एकाग्रता बाधित हो रही है। जाहिर है इसका प्रभाव उनके शैक्षिक प्रदर्शन पर पड़ेगा। एक समय दुनिया के तमाम देशों में जिन भारतीय प्रतिभाओं का डंका बजता था, शायद भविष्य में ऐसा न हो। घंटों सोशल मीडिया पर बिताने वाले छात्रों से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे अपनी पढ़ाई के लिये पूरी तरह एकाग्र हो सकेंगे। निरंतर कल्पना लोक में विचरण करने वाले बच्चे जब जीवन की हकीकत से जूझते हैं तो टूटने-बिखरने लगते हैं। गाहे-बगाहे आत्महत्या करने वाले किशोरों के डेटा का यदि गंभीरता से विश्लेषण किया जाए तो निश्चित रूप से हम सोशल मीडिया के घातक प्रभाव की हकीकत से रूबरू हो सकते हैं। आस्ट्रेलियाई पहल से सबक लेकर भारत के नीति-नियंताओं को भी इस दिशा में गंभीरता से पहल करनी चाहिए। इस दिशा में थोड़ी भी देरी की देश को भविष्य में बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

संसद के लिए काला दिन

क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

भारत के संसदीय इतिहास में एक और काला अध्याय उस समय जुड़ गया, जब केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधारों पर सरकार की तरफ से पक्ष रखते हुए एक अपशब्द के साथ चुनाव आयोग को जोड़ा। हालांकि श्री शाह के बयान से उस शब्द को हटा दिया गया है। मीडिया भी इसकी चर्चा नहीं कर रहा, क्योंकि मामला भाजपा की साख का है। लेकिन इस मामले को न हल्के में लिया जाना चाहिए, न इसे उपेक्षित करना चाहिए। क्योंकि यहां सवाल संसद की मयार्दा का है।भारत की संसद पर आतंकी हमला, सदन के भीतर नोटों की गड्डी लहराना, बसपा के अल्पसंख्यक सांसद दानिश अली को भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी का अपशब्द कहना और भाजपा के बाकी सांसदों का उस पर हंसना, नए संसद भवन में दो युवकों द्वारा रंगीन धुआं छोड़ना, ऐसे कुछ प्रकरण हैं, जो गौरवशाली संसदीय इतिहास में दुरूस्वप्न की तरह हैं। इन घटनाओं को मिटाया नहीं जा सकता, लेकिन इनसे सबक लेते हुए आईंदा इन्हें घटने से रोका जा सकता है। लेकिन अफसोस है कि सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी इसमें न केवल नाकाम रही, बल्कि इस बार तो संसद के अपमान के लिए खुद गृहमंत्री ही जिम्मेदार हैं।अमित शाह ने गुजरात की राजनीति से आगे बढ़कर दिल्ली तक का सफर काफी जल्दी तय किया। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अमित शाह का सियासी कद भी बढ़ा। 2014 में भाजपा का अध्यक्ष पद संभालने के बाद वे 2019 में देश के गृहमंत्री बने और अब इस पद पर सबसे लंबे वक्त बनने वाले व्यक्ति बन चुके हैं। मोदी-शाह की जोड़ी ने भाजपा को सबसे ताकतवर पार्टी बना दिया है। मोदी का चेहरा और शाह की रणनीति भाजपा की जीत का असली कारक बताई जाती है। अमित शाह को तो आधुनिक चाणक्य तक कहा जाता है। हम नहीं जानते कि इस तरह की तुलना मीडिया के प्रचार की वजह से हुई या चापलूसी से, लेकिन कम से कम चाणक्य से गलती की उम्मीद तो न चाटुकारों को होगी, न भाजपा के कार्यकताओं को। इस उम्मीद पर बुधवार को पानी फिर गया, जब विपक्ष को घेरने में अमित शाह ने लोकसभा के भीतर अपशब्द का प्रयोग किया।राहुल गांधी, गौरव गोगोई जैसे सांसदों ने इसका प्रतिवाद किया तो संभवतरू श्री शाह को अपनी गलती समझ आई और उन्होंने आसंदी से कहा कि मैंने अगर कुछ गलत कहा हो तो उसे हटा दीजिए। अच्छी बात है कि श्री शाह ने खुद ही आसंदी से अपने शब्दों को हटाने कह दिया। लेकिन इसमें भी एक किस्म का अहंकार नजर आया, अपनी गलती पर शर्मिंदगी कहीं नहीं दिखी। अगर अमित शाह जानते हैं कि उनकी पार्टी में उन्हें चाणक्य माना जाता है, या उन्हें यह अहसास है कि वे सरकार में कितने शक्तिशाली हैं और गृहमंत्री के तौर पर कितनी अहम जिम्मेदारी निभा रहे हैं, तब उनसे ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए थी। चुनाव सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बोलते हुए एक-एक शब्द सोच-समझ कर इस्तेमाल करना चाहिए था। लेकिन भाजपा तो संसद को भी चुनावी मंच की तरह ही उपयोग में लाती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए रेनकोट पहन कर नहाने जैसी निम्नस्तरीय टिप्पणी कर चुके हैं, राज्यसभा सांसद रेणुका चौधरी की हंसी की तुलना शूर्पणखा की हंसी से कर चुके हैं। सदन में खड़े होकर बेबुनियाद बातें करना या विपक्ष पर मिथ्या आरोप गढ़ना भी भाजपा की आम रणनीति बन चुकी है। भाजपा को लगता होगा कि इस रणनीति में मयार्दा और नैतिकता के लिए जगह बनाई जाए तो फिर उसका असर कम हो जाएगा। संभवतरू इसलिए गंभीर विषयों पर भी हल्केपन के साथ चर्चा की जाती है, जिसमें अपशब्द शामिल हो सकते हैं, इसकी परवाह भी नहीं की जाती। अमित शाह की टिप्पणी के बाद कई सांसद चिंता जतला रहे हैं कि संसद में ये दिन भी देखना पड़ेगा, ऐसी कल्पना नहीं की थी। यह चिंता वाजिब है और यहीं विपक्ष की जिम्मेदारी पहले से अधिक बढ़ जाती है कि अब वो भाजपा को संसद को अपने राजनैतिक हितों का जरिया बनाने से रोके। देश के मीडिया को भी इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा। भाजपा के एजेंडे के अनुरूप टीवी चौनलों पर जब से हिंदू-मुस्लिम बहसों को बढ़ावा दिया गया, स्टूडियो का माहौल बिगड़ चुका है। अब केवल चीखने-चिल्लाने कर ये बहसें सीमित नहीं हैं, बल्कि खुलकर अपशब्दों का इस्तेमाल और हाथापाई तक होने लगी है। समाज पर ऐसी बहसें किस तरह का असर करती हैं, पहले इसकी चिंता थी। अब यही चिंता संसद की कार्रवाई पर होने लगी है। इसलिए अमित शाह द्वारा अपशब्द के इस्तेमाल पर गहन-गंभीर विमर्श होने चाहिए कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों बनी और इसका निराकरण कैसे हो सकता है।फर्ज कीजिए कि अगर विपक्ष के किसी सांसद की तरफ से ऐसा होता तो भाजपा इस मामले पर कितना बवाल खड़ा करती। राहुल गांधी ने एक बार अपनी बहन प्रियंका गांधी के गाल स्नेह से खींच दिए थे, तो ओम बिड़ला ने फौरन उन्हें टोकते हुए सदन की मयार्दा बनाए रखने की नसीहत दी थी। क्या ऐसी ही नसीहत अमित शाह को भी फौरन नहीं मिलनी चाहिए थी। संसद में पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी बहसें हों, एक-दूसरे की कमियों को भरपूर गिनाया जाए, आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाएं, लेकिन इन सबके बीच संसद की गरिमा हर हाल में कायम रहे, यह जिम्मेदारी हरेक सांसद की है। हर सांसद यह तथ्य याद रखे कि उसे देश की सबसे बड़ी पंचायत में लाखों लोगों ने अपनी आवाज उठाने की उम्मीदों के साथ भेजा है। संसद की हरेक मिनट की कार्रवाई सुचारु चले इसके लिए जनता अपनी कमाई माननीयों पर खर्च करती है। उनके लिए तमाम तरह की रियायतें देकर खुद कष्ट उठाती है। इसके बाद अगर वहां काम करने की जगह अगर अपशब्द सुनने मिलें तो यह लोक और लोकतंत्र दोनों के साथ धोखा है।

हमारे हितों की अनदेखी कर हमसे दोस्ती मुमकिन नहीं

क्योंकि जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति और सैन्य क्षमता- जिनमें परमाणु क्षमता भी शामिल है- के लिहाज से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो एशिया पर प्रभुत्व जमाने और अमेरिका के वर्चस्व को बेदखल करने की चीन की कोशिशों को चुनौती दे सकता है। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल से ही वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए भारत के साथ साझेदारी को निर्णायक माना है। यह नीति कभी सिर्फ भाषणबाजी तक ही सीमित नहीं रही थी। पिछले एक दशक में तो अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंध तेजी से गहराए थे- विशेषकर सैन्य इंटर-ऑपरेबिलिटी, खुफिया सहयोग और तकनीकी लेनदेन के स्तर पर। वास्तव में, भारत-अमेरिका रिश्तों में बढ़त का एक हिस्सा तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल में घटा था। चीन पर दबाव बढ़ाने और पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता घटाने के साथ ही ट्रम्प ने भारत के साथ सहयोग को बढ़ाया, जो उनकी इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्र में था। इसका असर भी स्पष्ट है रू भारत आज किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक सैन्य अभ्यास करता है और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन चुका है। लेकिन इसी प्रक्रिया के बीच अमेरिका ने भारत को सतर्क रहने के कई कारण भी दिए। अफगानिस्तान से उसका अव्यवस्थित पलायन- जो बाइडेन के कार्यकाल में हुआ लेकिन जिसकी बुनियाद ट्रम्प द्वारा किए समझौते से पड़ी थी- ने अमेरिकी नेतृत्व की समझदारी और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए, क्योंकि इसने अफगानिस्तान को फिर से तालिबान के हवाले कर दिया।

ब्रह्मा चेलानी

अमेरिका की भारत-नीति दिन-ब-दिन अधिक विद्वेषपूर्ण होती जा रही है, लेकिन उसे यह मालूम होना चाहिए कि दीर्घकालिक अमेरिकी रणनीतिक हितों के लिए भारत से अधिक महत्वपूर्ण कोई और शक्ति नहीं है। क्योंकि जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति और सैन्य क्षमता- जिनमें परमाणु क्षमता भी शामिल है- के लिहाज से भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो एशिया पर प्रभुत्व जमाने और अमेरिका के वर्चस्व को बेदखल करने की चीन की कोशिशों को चुनौती दे सकता है। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल से ही वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए भारत के साथ साझेदारी को निर्णायक माना है। यह नीति कभी सिर्फ भाषणबाजी तक ही सीमित नहीं रही थी। पिछले एक दशक में तो अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंध तेजी से गहराए थे- विशेषकर सैन्य इंटर-ऑपरेबिलिटी, खुफिया सहयोग और तकनीकी लेनदेन के स्तर पर। वास्तव में, भारत-अमेरिका रिश्तों में बढ़त का एक हिस्सा तो ट्रम्प के पहले कार्यकाल में घटा था। चीन पर दबाव बढ़ाने और पाकिस्तान को दी जाने वाली सुरक्षा सहायता घटाने के साथ ही ट्रम्प ने भारत के साथ सहयोग को बढ़ाया, जो उनकी इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्र में था। इसका असर भी स्पष्ट है रू भारत आज किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक सैन्य अभ्यास करता है और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन चुका है। लेकिन इसी प्रक्रिया के बीच अमेरिका ने भारत को सतर्क रहने के कई कारण भी दिए। अफगानिस्तान से उसका अव्यवस्थित पलायन- जो बाइडेन के कार्यकाल में हुआ लेकिन जिसकी बुनियाद ट्रम्प द्वारा किए समझौते से पड़ी थी- ने अमेरिकी नेतृत्व की समझदारी और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए, क्योंकि इसने अफगानिस्तान को फिर से तालिबान के हवाले कर दिया। चिंताएं 2022 में तब और बढ़ीं, जब बाइडेन प्रशासन ने पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट दिलाने में मदद की और फिर उसके एफ-16 बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए 45 करोड़ डॉलर की भी मंजूरी दे दी। ट्रम्प ने भी पाकिस्तान के प्रति इस झुकाव को और तेज ही किया है, जिसका एक उदाहरण उससे की गई क्रिप्टोकरेंसी डील है। अमेरिका ने अकसर भारत के हितों की अनदेखी की है। इसके बावजूद रूस पर लगाए प्रतिबंधों को लागू कराने के मामले में वह भारत से पूरी निष्ठा की उम्मीद करता रहा। भारत इससे सहमत नहीं हुआ और उसने डिस्काउंटेड दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। भारत को सुदूर यूरोप में चल रहे किसी संघर्ष के लिए अपने राष्ट्रीय हितों की बलि देने का कोई कारण नहीं दिखा, खासकर तब, जब रूस पर पश्चिमी दबाव का सबसे बड़ा लाभार्थी चीन था। भारत इस समीकरण को पहले भी देख चुका है। 2019 में जब ट्रम्प ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए तो भारत अपने सबसे सस्ते और भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोतों में से एक से वंचित हो गया था। चीन ने इसका पूरा फायदा उठाया। उसने ईरानी कच्चा तेल भारी छूट पर खरीदा और वहां अपनी सुरक्षा मौजूदगी बढ़ाई। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद भी यही पैटर्न उभरा। पश्चिमी बाजारों से रूस को अलग कर देने के बाद उस पर लगाए प्रतिबंधों ने उसे चीन पर आर्थिक रूप से निर्भर बना दिया, जिससे चीन को रूस से आने वाले ऊर्जा-आपूर्ति मार्गों को मजबूत करने की क्षमता मिल गई। अब चीन जानता है कि ताइवान पर कार्रवाई करने पर भी रूसी ऊर्जा तक उसकी पहुंच नहीं घटेगी। इस बार भारत ने भी रूसी तेल पर उपलब्ध छूट का लाभ उठाया। अमेरिका भारत को अपने लिए जरूरी बताता है, लेकिन उसके हितों की अनदेखी भी करता है। वह चाहता है कि भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उसकी रणनीति का आधार बने, लेकिन वो ऐसी नीतियां भी अपनाता है, जो भारत की आर्थिक क्षमता, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता को सीधे नुकसान पहुंचाती हैं। यही कारण है कि आज भारत अमेरिका के प्रति अविश्वास से भर गया है और उसे रूस से संबंध मजबूत करने को मजबूर होना पड़ रहा है। अमेरिका हमारे साथ अच्छे रिश्ते चाहता है तो उसे हमें बराबरी का दर्जा देना होगा। अमेरिका भारत को अपने लिए जरूरी बताता है, लेकिन उसके हितों की अनदेखी भी करता है। वह चाहता है कि भारत इंडो-पैसिफिक में उसकी रणनीति का आधार बने, लेकिन वो ऐसी नीतियां भी अपनाता है, जो हमें क्षति पहुंचाती हैं।

खाने-पीने की चीजों के दामों पर सरकार का अंकुश जरूरी

ऐसे में कई विश्लेषकों का मानना है कि मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकंस का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन महंगाई घटाने में नाकाम रहा है। सच पूछो तो राजनेता महंगाई से डरते हैं। अमेरिका में अंडे की कीमतें- और भारत में प्याज के दाम- उनकी धड़कनें बढ़ा देते हैं। बहुतों का मानना है कि 1998 में प्याज की ऊंची कीमतों ने ही अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिराने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत में सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव तो खासा बदनाम है। यहां कुछ ही महीनों- और कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों में- टमाटर या प्याज की कीमतें दस गुना तक बढ़ या घट जाती हैं।

उदाहरण के तौर पर, दिल्ली में पिछले नवंबर में प्याज 100 रुपए किलो बिक रहा था और हाल में वह 13 रुपए किलो पर बिका। टमाटर पिछले अक्टूबर में 65 रुपए किलो था, अब 35 रुपए किलो है। हम अकसर बढ़ी हुई कीमतों पर ही ध्यान देते हैं, जबकि हालिया रुझान दिखाता है कि कीमतों का पेंडुलम दोनों दिशाओं में बराबर झूलता है। किसी भी व्यवसाय में आउटपुट-कीमतों में ऐसी अस्थिरता कारोबारी को हैरान-परेशान कर सकती है। कीमतों में उतार-चढ़ाव कम करने के लिए सरकार क्या कर सकती है? दो सरल उपाय हैं रू वैश्विक स्रोतों से खरीद और फूड प्रोसेसिंग। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि औद्योगीकृत देशों में फल-सब्जियों की कीमतें साल भर काफी स्थिर रहती हैं। इसका कारण यह है कि वे घरेलू फसल पर निर्भर नहीं रहते। वे वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़े रहते हैं और जिस भी गोलार्ध में मौसम अनुकूल हो, वहां से आयात करते हैं।

नीरज कौशल

महंगाई के मुद्दे ने दुनिया में कई चुनावों के नतीजे तय किए हैं। अमेरिका में कोविड के बाद महंगाई को काबू में न रख पाने की कीमत जो बाइडेन और डेमोक्रेट्स को व्हाइट हाउस खोकर चुकानी पड़ी थी। डोनाल्ड ट्रम्प ने कीमतें घटाने का वादा किया था, लेकिन उलटे उन्होंने टैरिफ बढ़ा दिए, जिससे महंगाई और बढ़ी। उनका कोर वोटर इससे नाखुश है। ऐसे में कई विश्लेषकों का मानना है कि मिड-टर्म चुनावों में रिपब्लिकंस का प्रदर्शन कमजोर रह सकता है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन महंगाई घटाने में नाकाम रहा है। सच पूछो तो राजनेता महंगाई से डरते हैं। अमेरिका में अंडे की कीमतें- और भारत में प्याज के दाम- उनकी धड़कनें बढ़ा देते हैं। बहुतों का मानना है कि 1998 में प्याज की ऊंची कीमतों ने ही अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिराने में अहम भूमिका निभाई थी। भारत में सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव तो खासा बदनाम है। यहां कुछ ही महीनों- और कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों में- टमाटर या प्याज की कीमतें दस गुना तक बढ़ या घट जाती हैं। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली में पिछले नवंबर में प्याज 100 रुपए किलो बिक रहा था और हाल में वह 13 रुपए किलो पर बिका। टमाटर पिछले अक्टूबर में 65 रुपए किलो था, अब 35 रुपए किलो है। हम अकसर बढ़ी हुई कीमतों पर ही ध्यान देते हैं, जबकि हालिया रुझान दिखाता है कि कीमतों का पेंडुलम दोनों दिशाओं में बराबर झूलता है। किसी भी व्यवसाय में आउटपुट-कीमतों में ऐसी अस्थिरता कारोबारी को हैरान-परेशान कर सकती है। कीमतों में उतार-चढ़ाव कम करने के लिए सरकार क्या कर सकती है? दो सरल उपाय हैं रू वैश्विक स्रोतों से खरीद और फूड प्रोसेसिंग। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि औद्योगीकृत देशों में फल-सब्जियों की कीमतें साल भर काफी स्थिर रहती हैं। इसका कारण यह है कि वे घरेलू फसल पर निर्भर नहीं रहते। वे वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़े रहते हैं और जिस भी गोलार्ध में मौसम अनुकूल हो, वहां से आयात करते हैं। दक्षिणी और उत्तरी गोलार्ध की काउंटर-सीजनैलिटी (एक के ऑफ-सीजन के समय दूसरे का ऑन-सीजन) के कारण उन्हें साल भर आपूर्ति मिलती है। यही कारण है कि अमेरिका में लोगों को सालभर ताजे टमाटर मिलते हैं। ऑफ-सीजन में वे चिली या मैक्सिको से टमाटरों का आयात कर लेते हैं। वास्तव में शायद ही ऐसा कोई मौसमी उत्पाद है, जो अमेरिकी ग्रॉसरी स्टोर्स में ऑफ-सीजन में भी उपलब्ध न होता हो। जब कैलिफोर्निया या फ्लोरिडा की आपूर्ति कमजोर पड़ती है तो मैक्सिको, कनाडा, चिली, ग्वाटेमाला या कोस्टा रीका उसकी भरपाई कर देते हैं। दक्षिणी गोलार्ध की सस्ती मजदूरी, कम परिवहन लागत और उनका विशाल कोल्ड-स्टोरेज नेटवर्क अमेरिकी सुपरमार्केट की शेल्फों पर साल भर स्थिर कीमतें बनाए रखते हैं। लेकिन भारत में उपभोक्ताओं की रक्षा के नाम पर आयात-नियंत्रण और किसानों की रक्षा के नाम पर निर्यात-नियंत्रण ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि बड़े पैमाने पर फलों और सब्जियों के व्यापार तथा भंडारण के लिए आवश्यक वैल्यू चेन विकसित ही नहीं हो पाईं। नतीजा यह है कि खाने-पीने की चीजों की कीमतें लगातार ऊपर-नीचे होती रहती हैं। फूड प्रोसेसिंग की बात करें। अधिकांश पश्चिमी देशों में प्याज और टमाटर का बड़ा हिस्सा प्रोसेस कर लिया जाता है- सूखे प्याज-टमाटर, कैन में स्टोर किए हुए स्लाइस या फिर प्याज-टमाटर की प्यूरी के रूप में। 2016 के आंकड़ों पर आधारित एक अध्ययन बताता है कि अमेरिका में 33 प्रतिशत टमाटर प्रोसेस होते हैं, चीन में 14 प्रतिशत, जबकि भारत में यह अनुपात सिर्फ 0.3 प्रतिशत ही है। एक अन्य अध्ययन का अनुमान है कि अमेरिका में फलों और सब्जियों का एक-तिहाई से अधिक हिस्सा प्रोसेस होता हैय जबकि भारत में यह 5 प्रतिशत से भी कम है। इस साल भारत में प्याज और आलू की भरपूर पैदावार ने महंगाई को नकारात्मक दायरे में पहुंचा दिया है। दुनिया बढ़ती कीमतों से चिंतित है, लेकिन भारतीय उपभोक्ता नहीं। बहरहाल, यह याद रखना जरूरी है कि ये हालात तेजी से उलट सकते हैं। कीमतें जब बहुत नीचे चली जाती हैं, तो किसान अगले साल वही फसल उगाने से कतराते हैं और इसी से कीमतों में उछाल की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है। आपूर्ति और मांग के बीच यह विसंगति कीमतों में अस्थिरता को तंत्र की स्थायी विशेषता बना देती है। ऐसे में आयात कीमतों को स्थिर रखने में कारगर हो सकते हैं। भारत के लिए जरूरी है कि बाजार से नियंत्रण घटाए, विश्व-व्यापार बढ़ाए और भंडारण व प्रोसेसिंग पर गंभीरता से निवेश करे। भारत में सब्जियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव खासा बदनाम है। इससे बचने के लिए सरकार क्या कर सकती है? दो सरल उपाय हैं रू वैश्विक स्रोतों से खरीद और फूड प्रोसेसिंग। इससे ऑफ-सीजन में भी हमारे ग्रॉसरी स्टोर्स भरे रहेंगे।

शादी का भरोसा देकर किया दुष्कर्म

ढाका। महिला ने एक अगस्त को गुलशन थाने में केस दर्ज कराया, जिसमें उसने लगातार यौन हिंसा के आरोप लगाए। पुलिस द्वारा तैयार चार्जशीट में कई प्रकार के सबूत शामिल किए गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट जगत में हलचल मचाने वाले एक मामले में 25 वर्षीय क्रिकेटर तोफैल अहमद रइहान को एक यौन शोषण केस में आरोपित किया गया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है, जिसमें यह दावा किया गया है कि क्रिकेटर ने एक महिला को शादी का भरोसा देकर झांसे में लिया और बाद में उसके साथ कई बार यौन दुराचार किया। सोशल मीडिया से शुरू हुई दोस्ती दायर चार्जशीट के मुताबिक, महिला से क्रिकेटर का संपर्क सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर शुरू हुआ। दोनों के बीच नियमित बातचीत होने लगी, जिससे धीरे-धीरे एक रोमांटिक रिश्ता विकसित हो गया। शुरूआत में महिला ने तोफैल के प्रस्तावों को ठुकरा दिया था, लेकिन जब क्रिकेटर ने शादी करने की इच्छा जताई, तो उसने इस रिश्ते को स्वीकार कर लिया। शादी का वादा और होटल में कथित यौन शोषण महिला ने पुलिस को बताया कि तोफैल उसे ढाका के गुलशन स्थित एक होटल में ले गया, जहां उसने महिला को अपनी पत्नी के रूप में परिचित कराया। इसी दौरान उस पर कथित रूप से जबरन यौन संबंध बनाने का आरोप है।

राधिका आप्टे बोलीं- 'आजकल की शोर वाली फिल्मों से अलग है साली मोहब्बत; पार्टनर और बच्चे को लेकर कही ऐसी बात

टिस्का चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म 'साली मोहब्बत' में राधिका आप्टे और दिव्येंदु शर्मा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म साली मोहब्बत की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी। दिव्येंदु बारीकियों पर काम करने वाले अभिनेता हैं वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा। ऐसा किरदार पहले नहीं निभाया वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, 'इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतमुर्खी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है, अपने आप में रहती है। इस तरह का स्वभाव मैंने पहले किसी किरदार में नहीं निभाया था। मनीष मल्होत्रा के साथ अलग था अनुभव मनीष मल्होत्रा के निमार्ता बनने और फिल्म में उनकी भूमिका पर राधिका का कहना है, 'मैं यह जरूर कहूंगी कि मुझे मनीष एक इंसान के तौर पर अच्छे लगते हैं। वह लोगों का ध्यान रखते हैं और उनके साथ बराबरी का व्यवहार करते हैं। सेट पर यह मजाक चलता रहता था कि मेरे कपड़े फैशनेबल नहीं हैं, तो वह कहते थे कि इन्हें कितनी बार धोया जाए ताकि ये पुराने लगें। लेकिन साधारण कपड़ों में भी हर चीज बहुत सोच-समझकर तय की गई थी। फिल्म की दृश्य शैली में उनका नजरिया साफ दिखता है। मैंने उन्हें पहले रंगीला जैसी फिल्मों के लिए कपड़े डिजाइन करते देखा है, तो ऐसे में यह अनुभव मेरे लिए अलग रहा। आज की फिल्मों से अलग है 'साली मोहब्बत' फिल्म की शैली और कहानी को लेकर राधिका का बयान, आजकल ज्यादातर तेज, शोर वाली फिल्में बन रही हैं। ऐसे समय में साली मोहब्बत उनसे अलग है। यह एक शांत फिल्म है, जो बहुत धीरे-धीरे अपनी कहानी खोलती है। यह पूरी तरह एक जांच पर आधारित फिल्म है, जो वक्त लेकर आगे बढ़ती है।' ये पल खोना नहीं चाहती अंत में मातृत्व और मौजूदा जिंदगी को लेकर बात करते हुए राधिका ने कहा, 'इस समय मैं सिर्फ बच्चे की देखभाल में ही व्यस्त हूं। इसमें ही काफी थकान हो जाती है। हालांकि, इसमें जो सुकून है वो और कहीं नहीं। बच्चे बहुत जल्दी बड़े हो जाते हैं और मैं उनके ये पल खोना नहीं चाहती। यह करते हुए मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं कुछ मिस कर रही हूं। अभी मैं इसी में खुश हूं। इस दौर ने मेरी प्राथमिकताएं पूरी तरह बदल दी हैं और फिलहाल मेरा सारा ध्यान मेरे बच्चे पर है।

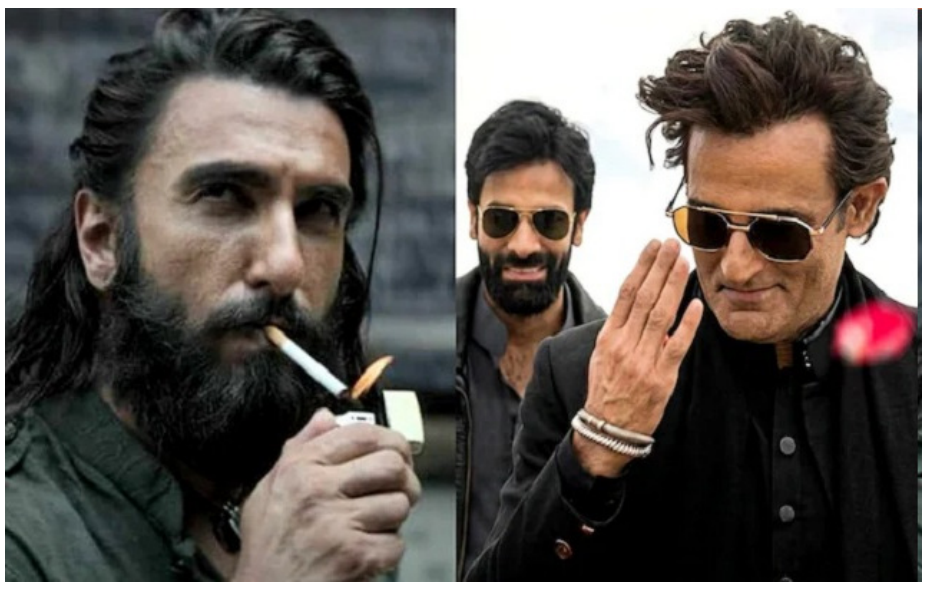

धुरंधर की छप्पर फाड़ कमाई, महज 7 दिनों में ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई फिल्म

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म धुरंधर को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को करीब 8 दिन हो गए हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर ऊंची छलांग लगाती नजर आ रही है। हाल ही में धुरंधर 200 करोड़ के क्लब में शाामिल हो गई है। इसने केवल सात दिनों में भारतीय बाजार में 207 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म धुरंधर ने पहले दिन भारतीय बाजार में 28 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 32 करोड़ रुपये,तीसरे दिन 43 करोड़,चौथे दिन 23.25, पांचवे दिन 27 करोड़ और छठे दिन 27 करोड़ की जबरदस्त कमाई की है। सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म धुरंधर ने सातवें दिन 27 करोड़ का कारोबार किया है। इस तरह फिल्म धुरंधर ने भारतीय बाजार में सात दिनों में 207 करोड़ रुपए दे अधिक की कमाई कर ली है। बता दें, फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल अहम भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसका असर फिल्म के कलेक्शन पर भी देखने को मिला है। धुरंधर की खास बात है कि इसमें रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना और के किरदार को सबसे ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

ऐश्वर्या राय संग तलाक की अफवाहों पर अभिषेक ने पहली बार दी प्रतिक्रिया-ये खबरें पूरी तरह झूठी और बेकार हैं

बॉलीवुड कपल अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय का रिश्ता इस साल काफी उतार-चढ़ावों से गुजरा। सोशल मीडिया पर अफवाहें सामने आईं कि दोनों के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा और दोनों जल्द ही तलाक लेने जा रहे हैं। हालांकि, इन सब अफवाहों पर अभिषेक और ऐश्वर्या ने चुप्पी साधे रही। वहीं, अब हाल ही में पहली बार एक्टर ने अपने तलाक की खबरों पर रिएक्ट किया है और इन अफवाहों को बेसलेस और बकवास बताया। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय के साथ तलाक की अफवाहों को लेकर कहा-अगर आप कोई सेलिब्रिटी हैं, तो लोग हर बात पर अटकलें लगाना चाहेंगे और उन्होंने जो भी बकवास लिखी है, वो पूरी तरह से झूठी है, वो फैक्ट्स पर बेस्ड नहीं है, बेकार और गलत हैं, लेकिन अब मैं कितना कहूं,, वो शादी से पहले से ही ऐसा कर रहे हैं। अभिषेक बच्चन ने आगे कहा-शादी से पहले, वो हमारी शादी के समय को लेकर अटकलें लगा रहे थे। फिर शादी के बाद, वो हमारे तलाक को लेकर अटकलें लगा रहे थे ये सब बकवास है। वो मेरी सच्चाई जानती हैं। मैं उसकी सच्चाई जानता हूं। हम एक खुशहाल और हेल्दी परिवार में वापस लौटेंगे, जो सबसे अहम है। बस यही मायने रखता है। इस दौरान अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय के साथ तलाक की अफवाहों पर बेटी आराध्या बच्चन के रिएक्शन का भी खुलासा किया और बताया कि आराध्या को इन अफवाहों के बारे में नहीं पता होगा क्योंकि उनके पास पर्सनल फोन नहीं है। एक्टर ने कहा-मुझे उम्मीद है कि उसे पता नहीं होगा। वो बहुत समझदार लड़की है। वो एक बेहतरीन बच्ची है और उसकी मां ने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे नहीं लगता कि उसे इस बात का एहसास है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ये उसकी प्रायरिटी है। उसके पास फोन नहीं है और वो 14 साल की है। अगर उसके दोस्त उससे कॉन्टेक्ट करना चाहते हैं, तो उन्हें उसकी मां के फोन पर कॉल करना होगा। ये हमने बहुत पहले ही तय कर लिया था। उन्होंने आगे कहा-उसे अपना होमवर्क करने में ज्यादा दिलचस्पी है। उसे स्कूल बहुत पसंद है। मुझे नहीं लगता कि वो गूगल पर हमारा नाम खोजेगी।

रजनीकांत के बर्थडे पर पीएम मोदी ने की लंबी जिंदगी के लिए प्रार्थना, कहा-उनकी परफॉर्मेंस ने कई पीढ़ियों को लुभाया है

थलाइवा के नाम से मशहूर सुपरस्टार रजनीकांत का आज बर्थडे है। 12 दिसंबर को एक्टर अपना 75वां बर्थडे मना रहे हैं। इस खास मौके पर उन्हें सोशल मीडिया पर फैंस से लेकर सेलेब्स की खूब शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी बीच देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी थलाइवा को जन्मदिन की मुबारकबाद दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए रजनीकांत के सिनेमई सफर की तारीफ की। पोस्ट में पीएम ने लिखा, श्थिरु रजनीकांत जी को उनके 75वें जन्मदिन के खास मौके पर बधाई। उनकी परफॉर्मेंस ने कई पीढ़ियों को लुभाया है और बहुत तारीफें बटोरी हैं। उनके काम में अलग-अलग रोल और जॉनर हैं, जो लगातार नए बेंचमार्क सेट करते हैं। यह साल इसलिए खास रहा क्योंकि उन्होंने फिल्मों की दुनिया में 50 साल पूरे कर लिए। उनकी लंबी और हेल्दी जिंदगी के लिए प्रार्थना करता हूं। रजनीकांत के बर्थडे पर पीएम मोदी का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और अन्य यूजर्स भी कमेंट कर एक्टर को शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें, साउथ सुपरस्टार रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को एक मराठी परिवार में हुआ था। उनके पिता पुलिस हेड कांस्टेबल थे। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले रजनी का नाम शिवाजी राव गायकवाड़ था। एक्टर ने अपने फिल्म करियर में कई सुपरहिट साउथ और हिंदी फिल्मों में काम किया और फैंस के बीच थलाइवा के नाम से फेमस हुए।

सलमान खान की मुन्नी अब बन गई हैं स्टाइलिश मैडम, हर्षाली मल्होत्रा के नए लुक ने जीता दिल

बजरंगी भाईजान की छोटी-सी, मासूम मुन्नी अब बड़ी हो चुकी हैं और अपनी खूबसूरत अदाओं से सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही हैं। हर्षाली मल्होत्रा जल्द ही अपने नए प्रोजेक्ट अखंडा 2 से कमबैक कर रही हैं, और उससे पहले वे लगातार अपने फैंस के लिए नई तस्वीरें शेयर कर रही हैं। एक समय साड़ी और सूट में नजर आने वाली हर्षाली का इस बार बिल्कुल अलग अवतार देखने को मिला। उन्होंने टॉप और पैंट्स में ऐसा स्टाइल दिखाया कि लोग कमेंट्स में कहने लगे मुन्नी इतनी बड़ी हो गई! पैंट-टॉप में दिखीं बॉसी वाइब्स 17 साल की हर्षाली का फैशन सेंस कमाल का है। इस बार वे पेस्टल पिंक टॉप और व्हाइट हाई-वेस्ट पैंट्स में दिखाई दीं। टॉप में शर्ट जैसा कॉलर और सिल्वर बटन थे, जो पूरे लुक को क्लासी बना रहे थे। वहीं, वाइड-लेग पैंट्स और ब्लैक बेल्ट ने आउटफिट को फॉर्मल और स्टाइलिश टच दिया। जेब में हाथ डालकर दिया गया उनका एटीट्यूड-पोज लोगों को खूब पसंद आया। हर्षाली ने मिनिमल जूलरी चुनी छोटे गोल्ड इयररिंग्स, दो ब्रेसलेट और चमकदार रिंग्स। फुटवियर भी आउटफिट से मैच होता दिखा। उन्होंने व्हाइट और पेस्टल पिंक वेजेज पहनी थीं, जिनकी छोटी हील्स आराम और स्टाइल दोनों बनाए रखती हैं। फैंस बोले दुनिया की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस हर्षाली की तस्वीरें देखते ही लोग कमेंट्स करने लगे। किसी ने कहा, मुन्नी अब मैडम साहिबा बन गई! तो किसी ने लिखा, आपको किसी की नजर न लगे मेरी सोनी कुड़ी। कई फैंस तो उन्हें सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस बता रहे हैं।

कुछ हद तक हंसाती है कपिल शर्मा की फिल्म, बस मत करना यह गलती

कपिल शर्मा एक बार फिर अपनी सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'किस किसको प्यार करूं' को लेकर पर्दे पर आ गए हैं। कहानी से लेकर अभिनय तक, क्या उम्मीद लगा सकते हैं इस फिल्म से? पढ़ें रिव्यू में...

सोचिए अगर एक ही आदमी मोहन, महमूद, माइकल और मंजीत चार किरदार निभाए, चार धर्मों में अलग-अलग बीवियां रखे तो उसका हश्र क्या होगा? बस इतनी कहानी है फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 की। यहां जानिए कैसी है यह फिल्म? फिल्म की शुरूआत होती है भोपाल शहर के रहने वाले मोहन शर्मा (कपिल शर्मा) से जो सानिया (वरीना) से बेहद प्यार करता है। सानिया से शादी करने के चक्कर में मोहन के सामने ऐसी-ऐसी सिचुएशन आती है कि उसे रूही (आयशा खान), मीरा (त्रिधा चौधरी) और जेनी (पारुल गुलाटी) से भी शादी करनी पड़ जाती है। अब अंत में मोहन अपना असली प्यार कैसे पाता है? यह आपको फिल्म देखकर पता चलेगा। कैसा है अभिनय ? कपिल शर्मा कॉमेडी तो कर सकते हैं पर एक्टिंग में सिर्फ कॉमेडी नहीं करनी होती यह उन्हें समझना होगा। हालांकि, उनका काम पहले से बेहतर है पर रोमांटिक गानों और इमोशनल सीन में वो फीके लगते हैं। हां, कॉमिक टाइमिंग और पंच मारने में उन्हें कोई टक्कर नहीं दे सकता। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि उन्होंने यह फिल्म अपने कंधों पर संभाली है। चार हीरोइन वाली इस फिल्म में आयशा और त्रिधा का काम अच्छा है। पारुल कहीं-कहीं फीकी रहीं। वरीना के तो एक्सप्रेशन पूरी फिल्म में गायब ही रहे। मनजोत ने इस फिल्म को बखूबी संभाला है। अखिलेंद्र मिश्रा और विपिन शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार भी इस फिल्म के संभालते हैं। सुशांत का रोल छोटा है पर उनका काम ठीक है। असरानी के कुल चार सीन हैं और उन्हें देखकर अच्छा लगता है। पूरी फिल्म में जैमी लीवर की ओवरएक्टिंग और एक ही टोन इरिटेट करती है। कैसा है म्यूजिक? हनी सिंह का एक गाना ठीक-ठाक है। फिल्म की ओपनिंग में ही एक रोमांटिक ट्रैक आपको बोर कर देता है। त्रिधा और कपिल के बीच शूट हुआ एक गाना जबरदस्ती फिल्माया गया है। बैकग्राउंड म्यूजिक सिचुएशन के हिसाब से ठीक है। क्या बेहतर ? यह फिल्म चार धर्मों की बात करती है पर कहीं भी ऐसा डायलॉग या सीन नहीं है जो किसी धर्म को आहत करे। यह कमाल राइटर का है। फिल्म में कपिल शर्मा, मनजोत सिंह, विपिन शर्मा, अखलेंद्र मिश्रा जैसे कलाकार आपको हंसाते हैं। कुछ पंच और कुछ सीन अच्छे बन पड़े हैं।

अंडर-19 एशिया कप में 14 साल के वैभव का धमाका, 56 गेंदों में लगाई सेंचुरी

दुबई। यह सूर्यवंशी का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा शतक था। इससे पहले वह इंग्लैंड में भी एक शतक जमा चुके हैं। 2025 में यह उनका छठा शतक है, जो उनकी जबरदस्त निरंतरता को दशार्ता है। भारत के उभरते युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार, 12 दिसंबर को दुबई के आईसीसी अकादमी मैदान पर अंडर-19 एशिया कप के शुरूआती मैच में यूएई के खिलाफ सिर्फ 56 गेंदों में तूफानी शतक ठोक दिया। 14 वर्षीय वैभव ने भारत को बेहतरीन शुरूआत दिलाई। भारत को पहले बल्लेबाजी मिली और सूर्यवंशी ने शुरूआत से ही दबदबा बनाया। चौकों-छक्कों से लबालब पारी वैभव ने 95 गेंदों में 171 रन की पारी खेली और इस पारी में नौ चौके और 14 छक्के लगाए। उन्होंने शुरूआत में सधी हुई बल्लेबाजी की और छठी गेंद पर चौका लगाकर खाता खोला। इसके बाद उन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अली असगर को अगले ओवर में दो छक्के जड़ते हुए तेजी पकड़ ली। उन्होंने 30 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और उसके बाद बड़े शॉट्स लगाने शुरू किए। 85 के स्कोर पर उन्हें लॉन्ग-ऑफ पर जीवनदान भी मिला। आखिरकार, उन्होंने 56 गेंदों में अपना बड़ा शतक पूरा किया। 2025 में छठा शतक, शानदार निरंतरता यह सूर्यवंशी का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा शतक था। इससे पहले वह इंग्लैंड में भी एक शतक जमा चुके हैं। 2025 में यह उनका छठा शतक है, जो उनकी जबरदस्त निरंतरता को दशार्ता है। यूएई के खिलाफ भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे चार रन बनाकर आउट हुए।

78000 हुए बेघर, छतों पर फंसे लोग कई शहर कराए गए खाली

वॉशिंगट। वॉशिंगटन राज्य में लगातार बारिश ने ऐतिहासिक बाढ़ ला दी है। स्कैजिट और स्नोहोमिश नदियों ने रिकॉर्ड तोड़ दिए, हजारों लोग घर छोड़ने पर मजबूर हुए और कई शहर खाली कराए गए। पुल, सड़कें और घर बह गए, जबकि कई परिवार छतों पर फंसे मिले और हेलीकॉप्टर से बचाए गए। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में लगातार कई दिनों तक हुई तेज बारिश ने हालात बेहद भयावह बना दिए हैं। नदियां रिकॉर्ड स्तर तक भर गई हैं, पुल बह गए हैं और कई घर अपनी नींव से उखड़कर बह गए हैं। हजारों लोग छतों पर फंसे मिले और कई शहर पूरी तरह खाली कराए गए हैं। प्रशासन ने इसे ऐतिहासिक बाढ़ करार दिया है। वॉशिंगटन में आपातकाल लागू कर दिया गया है और करीब 78,000 लोगों को स्कैजिट नदी के आसपास के इलाकों से तुरंत निकाला गया। राज्यपाल बॉब फर्ग्यूसन ने

निवासियों से कहा कि यह सामान्य बाढ़ नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जो राज्य ने पहले कभी नहीं देखी। कई नदियां अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ चुकी हैं, जबकि मौसम विशेषज्ञों ने शुक्रवार तक और ज्यादा बाढ़ का खतरा जताया है। उफान पर नदियां स्नोहोमिश नदी अपने पुराने रिकॉर्ड से करीब एक फुट ऊपर चली गई, जबकि स्कैजिट नदी भी माउंट वर्नन में रिकॉर्ड तोड़ स्तर पर पहुंच गई। कंक्रीट टाउन में नदी का पानी घरों के दरवाजे तक जा पहुंचा, कुछ घरों से मलबा लगातार बहता रहा। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि पानी इतना ऊंचा उठ सकता है। 2003 की बाढ़ के बाद अब यह इलाका फिर बड़े संकट में है। बड़े पैमाने पर नुकसान पूरे राज्य में पुलों और हाईवे पर पानी भर गया है। कई सड़कें पूरी तरह बह गई हैं। स्टेट रूट 410 और इंटरस्टेट-90 के हिस्से बंद कर दिए गए हैं, जहां वाहन पेड़ों, कीचड़ और पानी में फंसे पाए गए। सीमावर्ती शहर सूमास, नूकसैक और एवर्सन में हालत सबसे खराब हैं। सूमास का मेयर ब्रूस बोश ने कहा कि शहर लगभग तबाह हो गया है। अमेरिका और कनाडा बॉर्डर पार करने का रास्ता बंद कर दिया गया है। साथ ही सिएटल-वैंकूवर अम्ट्रैक ट्रेनें रोक दी गई हैं। हेलीकॉप्टर से लोगों को छतों से निकाला गया कई परिवार अपने घरों की छतों पर फंसे मिले, जिन्हें हेलीकॉप्टर से निकाला गया। सूमास के कुछ इलाकों में पानी 15 फीट तक भर गया और फायर स्टेशन भी तीन फीट पानी में डूब गया। वेलकम शहर में नदी कटान से दो मकान सीधे नूकसैक नदी में गिर गए। पूर्व सिएटल के स्नोकलमी में हिरणों का झुंड फुटबॉल मैदान में गर्दन तक पानी में तैरता दिखा। कई घरों में लोग पानी निकालने के लिए पंप चलाते नजर आए। अगले खतरे की चेतावनी विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे तीव्र तूफान और बाढ़ की घटनाएं जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर का संकेत हैं। हालांकि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन से जोड़ना वैज्ञानिक दृष्टि से कठिन है, लेकिन भारी बारिश और चरम मौसम लगातार बढ़ रहे हैं। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि रविवार से एक और नया तूफानी सिस्टम राज्य में प्रवेश करेगा, जो और भारी बारिश लाएगा।

पाकिस्तान को 12 हिस्सों में तोड़ने की तैयारी

इस्लामाबाद। थिंक-टैंकों ने चेताया-इस कदम से अस्थिरता बढ़ेगी, इससे न केवल विद्रोह और फैलेगा बल्कि पाकिस्तान का क्षेत्रीय

विघटन निकट भविष्य में लगभग तय हो जाएगा। पाकिस्तान में सेना और सरकार द्वारा चार प्रांतों को 12 प्रशासनिक इकाइयों में पुनर्गठित करने की योजना ने आंतरिक असंतोष भड़का दिया है। आजादी और स्वायत्तता की मांगों को बिखेरने की रणनीति बताई जा रही इस कवायद पर जहां इस्लामाबाद तेज प्रशासनिक सुधार का तर्क दे रहा है, वहीं सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राजनीतिक दल व नागरिक समूह इसे उनकी आजादी की मांग को दबाने और पहचान मिटाने की कोशिश बता रहे हैं। थिंक टैंकों ने पाकिस्तानी सरकार को चेताया अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों कानेर्गी, वेस्ट एशिया एंड पाकिस्तान स्टडीज और इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप का आकलन है कि इससे न केवल विद्रोह और फैलेगा बल्कि पाकिस्तान का टूटना निकट भविष्य में लगभग तय हो जाएगा। सेना व सरकार पर आरोप है कि वे बलूचिस्तान, सिंध व केपी में उठ रहे आंदोलनों को कमजोर करने के लिए देश के मौजूदा चार प्रांतों को 12 नए प्रांतों में बांटने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि चार प्रांतों को 12 हिस्सों में बांटने के अनौपचारिक खाके के तहत पंजाब को उत्तर, मध्य व दक्षिण पंजाब में सिंध को कराची-सिंध, मध्य-सिंध व ऊपरी-सिंध में रखा जाएगा। खैबर पख्तूनख्वा को भी उत्तर, दक्षिण व आदिवासी खैबर प्रांत में बांटा जाना है। इसी तरह बलूचिस्तान को पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी भाग में बांटा जाना है। सिंध, बलूचिस्तान, केपी में विरोध पाकिस्तानी सूचना-प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार से नए प्रांतों की रूपरेखा पर संकेत मिलते ही देश में सियासी प्रतिक्रिया विस्फोटक हो गई। सिंध-पीपीपी के नेता बिलावल जरदारी ने कहा, दुनिया की कोई ताकत सिंध को बांट नहीं सकती। यह सांस्कृतिक हमला है। सत्तारूढ़ पार्टी में सहभागी पार्टी ने इसे खतरनाक खेल बताया। बलूचिस्तान ने इसे बलोच पहचान मिटाने वाली चाल बताया। क्वेटा और तुर्बत में विरोध तेज हो गया है, जबकि केपी में इसे पख्तून भूगोल को खंडित करने का प्रयास बताकर विरोध किया जा रहा है।

फैज हमीद को मिली सजा तो बस शुरूआत! पाकिस्तानी सांसद का चौंकाने वाला दावा

इस्लामाबाद। आईएसपीआर ने खुलासा किया था कि फैज हमीद पर 9 मई, 2023 के दंगों में कथित संलिप्तता के लिए जांच चल रही थी, जिसके दौरान सैन्य भवनों और स्मारकों में तोड़फोड़ की गई थी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (क्रक) के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को सेना के कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में एक सैन्य अदालत ने 14 साल जेल की सजा सुनाई है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आईएसआई चीफ फैज हमीद को दी गई सजा महज 'शुरूआत' हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह दो साल पहले सेना विरोधी दंगों में शामिल राजनेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ नए मामलों की बाढ़ आने का इशारा माना जा सकता है। फैज हमीद को गुरुवार को एक सैन्य अदालत ने 14 साल जेल की सजा सुनाई, जिसने उन्हें आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने और राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने सहित कई आरोपों में दोषी पाया। हमीद के खिलाफ अभी कार्रवाई बाकी है! डॉन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अदालत के बयान में कहा गया है,

'राजनीतिक तत्वों के साथ मिलीभगत करके निहित स्वार्थों से प्रेरित राजनीतिक आंदोलन और अस्थिरता फैलाने में दोषी की संलिप्तता और कुछ अन्य मामलों से अलग से निपटा जा रहा है।' रिपोर्ट के अनुसार इस भाषा से फैज हमीद और कुछ अज्ञात राजनेताओं को अशांति फैलाने के व्यापक प्रयास से जोड़ने का इशारा मिलता है। इसके अनुसार यह संदर्भ पिछले साल से जारी सैन्य बयानों की श्रृंखला में नवीनतम है, जो शक का संकेत देता है और सरकार विरोधी राजनीतिक तत्वों के साथ उनके कथित सांठगांठ की ओर इशारा करता है। 'ये तो महज शुरूआत' :सांसद फैसल वावड़ा पाकिस्तानी सांसद फैसल वावड़ा ने गुरुवार के फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि यह तो सिर्फ शुरूआत है, क्योंकि 9 मई के दंगों से संबंधित आरोपों पर अभी फैसला होना बाकी है। जियो न्यूज से बात करते हुए फैसल ने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को अपने संस्थान से गंदगी हटाने के लिए धन्यवाद दिया। इमरान खान के करीबी थे फैज हमीद इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सत्ता में रहने के दौरान हमीद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री के करीबी लोगों में जल्दी ही अपनी जगह बना ली थी। कुछ खबरों के अनुसार, वह इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी दोनों के काफी करीब हो गए थे। नवाज शरीफ ने दी थी खुली धमकी 2020 में, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने सार्वजनिक रूप से हमीद और उनके पूर्व बॉस, जनरल कमर बाजवा पर तीन बार के प्रधानमंत्री को पद से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। सबसे सीधा आरोप गुजरांवाला में एक रैली के दौरान लगाया गया था, जहां नवाज शरीफ ने कहा था कि जनरल फैज, यह सब आपके हाथों से हुआ है और आपको इसका जवाब देना होगा।

टीपीपी के आतंकवादियों ने पुलिस चौकी पर किया हमला

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गुरुवार रात को टीटीपी के आतंकवादियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुआ, जब गुरुवार को इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गुरुवार रात को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने एक पुलिस चौकी पर हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमलावरों और पुलिस के बीच तीन घंटे तक गोलीबारी जारी रही। आतंकवादियों ने बन्नू जिले के हावैद पुलिस क्षेत्राधिकार में स्थित शेख लैंडक पुलिस चौकी को निशाना बनाया। पुलिस के बयान के अनुसार कई आतंकवादी मारे गए और कई घायल हुए। प्रवक्ता द्वारा जारी एक

बयान में कहा गया है कि फितना अल ख्वारिज के आतंकवादियों ने गुरुवार देर रात चौकी पर हमला किया। फितना अल ख्वारिज वह शब्द है जिसका इस्तेमाल सरकार प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकवादियों के लिए करती है। बयान में कहा गया है कि पुलिसकर्मियों ने साहस और बहादुरी का परिचय दिया और समय रहते कार्रवाई करते हुए हमले को विफल करने में सफलता प्राप्त की। डीएसपी घायल पुलिसकर्मियों से मिले गोलीबारी के दौरान पांच पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बयान में कहा गया है कि बन्नू के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सज्जाद खान के निर्देश पर अतिरिक्त कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और इलाके को घेर लिया। इसमें कहा गया है कि बन्नू के डीआईजी और जिला पुलिस कार्यालय (डीपीओ) यासिर अफरीदी ने पुलिस के प्रयासों और क्षेत्र के लोगों के साहस और बहादुरी की सराहना की। इसके साथ ही डीएसपी ने बाद में अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात की। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब गुरुवार को इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई थी, क्योंकि एक फुटबॉल मैच के दौरान आतंकवादियों द्वारा एक खेल के मैदान पर किए गए क्वाडकॉप्टर हमले में नाबालिगों सहित कम से कम सात लोग घायल हो गए थे। पाकिस्तान में बढ़ता आंतकवाद पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियों में तेजी देखी जा रही है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में। नवंबर 2022 में टीटीपी द्वारा सरकार के साथ युद्धविराम समाप्त करने और सुरक्षा बलों, पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों पर हमला करने की शपथ लेने के बाद घटनाओं में यह उछाल आया है। अक्टूबर में, इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा था कि आतंकवादी हमलों में वृद्धि और आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज करने के कारण देश में तीन महीनों में हिंसा में तेजी आई है।

क्या पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कसेगा शिकंजा

इस्लामाबाद। क्या पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगने वाला है? ऐसा सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म्स खासकर एक्स पर सरकार का सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया है। इतना ही पाकिस्तान सरकार ने इन सभी प्लेटफॉर्म्स को बड़ी चेतावनी भी दी है। पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां पाकिस्तान के कानून और न्याय राज्य मंत्री बरिस्टर अकील मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को बड़ी चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि अगर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स सरकार के साथ सहयोग नहीं करते हैं, तो उन्हें बैन किया जा सकता है। बरिस्टर मलिक ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स जिसका पाकिस्तान में लगभग 45 लाख उपयोगकर्ता हैं, सरकार के साथ सबसे कम सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक्स को कई बार नोटिस दिए जा चुके हैं और उन्हें पाकिस्तान में कार्यालय खोलने के लिए भी कहा गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 'सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं कर रहा सहयोग' मंत्री ने आगे कहा कि पैलेस्टाइन से जुड़े पोस्ट 24 घंटे में हटा दिए जाते हैं, लेकिन यहां हम आतंकवाद से जुड़े मामले की बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जो प्लेटफॉर्म सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी ब्राजील जैसी कार्रवाई हो सकती है। बता दें कि ब्राजील में एक्स पर कोर्ट के आदेश का पालन न करने पर 5.2 मिलियन डॉलर का जुमार्ना लगाया गया और 22 मिलियन उपयोगकताओं वाला प्लेटफॉर्म वहां अस्थायी रूप से बंद किया गया। इमरान खान के एक्स अटाउंट की जांच बरिस्टर मलिक ने यह भी कहा कि इमरान खान के एक्स अकाउंट के मामले में जांच चल रही है। पाकिस्तान की फेडरल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) ने इमरान से जेल में उनके 'एंटी-स्टेट' पोस्ट और विदेश नीति पर टिप्पणियों के बारे में सवाल किए हैं। इससे पहले, सितंबर में इस्लामाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसमें कहा गया था कि जेल में रहने के दौरान उनके एक्स अकाउंट का संचालन कौन कर रहा है, इसकी जांच राष्ट्रीय साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी और पाकिस्तान टेलीकॉम अथॉरिटी (पीटीए) को करने का आदेश दिया जाए।

थाईलैंड के प्रधानमंत्री को संसद भंग करने की मंजूरी

बैंकॉक। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल को शुक्रवार को पार्लियामेंट भंग करने की शाही मंजूरी मिल गई, जिससे अगले साल की शुरूआत में आम चुनाव होंगे। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल को शुक्रवार (12 दिसंबर) को संसद भंग करने के लिए शाही स्वीकृति मिल गई है। इसके साथ ही देश में अगले साल की शुरूआत में आम चुनाव कराए जाने का रास्ता साफ हो गया है। शाही आदेश जारी होने के 45 से 60 दिनों के भीतर प्रतिनिधि सभा के चुनाव कराए जाएंगे। इस दौरान अनुतिन चर्नवीराकुल सीमित अधिकारों के साथ कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे और नई बजट मंजूर नहीं कर सकेंगे। सीमा विवाद के बीच राजनीतिक कदम इससे पहले प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नवीराकुल ने गुरुवार देर रात फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मैं सत्ता वापस जनता को सौंपना चाहता हूं। पीएम का यह फैसला ऐसे समय आया है जब थाईलैंड कम्बोडिया के साथ वर्षों पुराने सीमा विवाद को लेकर बड़े पैमाने पर संघर्ष में उलझा हुआ है। इस हफ्ते की झड़पों में करीब दो दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और दोनों ओर से लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। 3 महीने पहले ही बने थे प्रधानमंत्री बता दें कि अनुतिन चर्नवीराकुल सिर्फ तीन महीने पहले प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने पैटोंगटार्न शिनावात्रा की जगह ली है, जिन्होंने सिर्फ एक साल तक पद संभाला था। अनुतिन ने सितंबर में संसद में हुए मतदान में जीत हासिल की थी, जिसमें मुख्य विपक्षी पीपल्स पार्टी ने उनका समर्थन इस वादे पर किया था कि वे चार महीने के भीतर संसद भंग करेंगे और एक नई संविधान सभा के लिए जनमत संग्रह कराएंगे। संविधान संशोधन विवाद बना कारण संविधान बदलने का मुद्दा इस समय केंद्र में है। अनुतिन की पार्टी भूमजथाई ने संविधान संशोधन के लिए जरूरी व्यवस्था में सीनेट के एक-तिहाई मतों को बरकरार रखने के पक्ष में वोट किया, जिसके बाद पीपल्स पार्टी ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की धमकी दी। यह विवाद संसद भंग होने की मुख्य वजह माना जा रहा है। पैटोंगटार्न सरकार से अलगाव अनुतिन पहले पूर्व प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा की कैबिनेट में मंत्री थे, लेकिन कंबोडिया के साथ सीमा तनाव से जुड़े एक राजनीतिक घोटाले के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को गठबंधन से बाहर कर लिया। पैटोंगटार्न, जो पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा की बेटी हैं, उनको जुलाई में पड़ोसी देश कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन के साथ एक विवादित फोन कॉल के कारण नैतिक आचार उल्लंघन में दोषी पाए जाने के बाद पद से हटा दिया गया था। अनुतिन ने पैटोंगटार्न की कैबिनेट में काम किया था, लेकिन कंबोडिया के साथ बॉर्डर पर तनाव से जुड़े एक राजनीतिक विवाद के बाद उन्होंने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और अपनी पार्टी को उनकी गठबंधन सरकार से वापस ले लिया। नई सरकार अल्पमत में फंस सकती है पीपल्स पार्टी ने कहा है कि वह विपक्ष में ही रहेगी, जिससे नई सरकार अल्पमत में फंस सकती है। यह पार्टी लंबे समय से सेना समर्थित पुराने संविधान में बदलाव की मांग करती रही है, ताकि उसे अधिक लोकतांत्रिक बनाया जा सके।

कंजरवेटिव सांसद माइकल मा ने छोड़ी पार्टी पीएम कार्नी की पार्टी में हुए शामिल

टोरंटो। कनाडा में सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ जब मार्कहमझयूनियनविल के कंजरवेटिव सांसद माइकल मा अपनी पार्टी छोड़ पीएम मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी में शामिल हो गए। मा ने कहा कि वे विभाजन नहीं, समाधान की राजनीति चाहते हैं और कार्नी का नेतृत्व देश की जरूरतों के लिए अधिक स्थिर व व्यावहारिक है। कनाडा की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। जहां कंजरवेटिव पार्टी के सांसद माइकल मा ने अपनी पार्टी छोड़कर प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल सरकार का दामन थाम लिया। माइकल मा ओंटारियो प्रांत की मार्कहम-यूनियनविल सीट से सांसद हैं। वे पिछले एक महीने में दूसरे कंजरवेटिव सांसद हैं जिन्होंने लिबरल पार्टी ज्वॉइन की है। बात अगर माइकल मा के पार्टी छोड़ने के पीछे की कारण की करें तो अपने बयान में मा ने कहा कि वे राजनीति में 'समाधान ढूंढने, न कि विभाजन बढ़ाने के लिए आए थे। मा ने कहा कि उन्हें लगता है कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी वह स्थिर और व्यावहारिक नेतृत्व दे रहे हैं जिसकी देश को जरूरत है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वे अपने इलाके के लोगों से रोजाना जिन समस्याओं के बारे में सुनते हैं, उन पर काम करने में कार्नी की सरकार बेहतर है। लिबरल पार्टी बहुमत के एक कदम करीब बता दें कि मा के शामिल होते ही लिबरल पार्टी संसद में बहुमत से सिर्फ एक सीट कम रह गई है। ऐसे में अगर वे बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो उन्हें अपने बिल पास कराने के लिए किसी विपक्षी पार्टी की जरूरत नहीं पड़ेगी। कंजरवेटिव खेमे में नाराजगी दूसरी ओर माइकल मा के इस कदम से कंजरवेटिव पार्टी के खेमे में नाराजगी का माहैल है।

अमेरिका में एआई नियमों पर राष्ट्रपति ट्रंप सख्त

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नया कार्यकारी आदेश जारी किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर 50 राज्यों के अलग-अलग नियम लागू हुए, तो कंपनियों को कई मंजूरियां लेनी होंगी। ट्रंप ने जोर दिया कि इस आदेश का उद्देश्य देशभर में एक समान एआई नीति लागू करना है। अमेरिका में एआई नियमों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना सख्त रुख अपनाया है। इसके तहत ट्रंप ने गुरुवार को एक नया कार्यकारी आदेश भी जारी किया। इस आदेश का मकसद है कि अलग-अलग अमेरिकी राज्यों द्वारा अपने-अपने नियम बनाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योग की प्रगति न रोक दी जाए। मामले में ट्रंप का कहना है कि अगर हर राज्य अपने नियम बनाएगा, तो कंपनियों को 50 जगह से मंजूरी लेनी पड़ेगी, जिससे अमेरिका चीन के खिलाफ एआई की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएगा। अपने इस आदेश को लेकर ट्रंप ने कहा कि एआई पर दुनिया में दौड़ लगी हुई है। ऐसे में चीन में कंपनियों को सिर्फ एक जगह से मंजूरी लेनी पड़ती है। लेकिन अमेरिका में अगर अलगझअलग राज्यों के 50 तरह के नियम हुए, तो उद्योग आगे नहीं बढ़ पाएगा। अब समझिए क्या है नए आदेश में? बात अगर ट्रंप के नए आदेश की करें तो ट्रंप के आदेश में कुछ बड़े कदम शामिल हैं। आदेश के तहत अटॉर्नी जनरल को राज्यों के एआई से जुड़े प्रतिबंधात्मक कानूनों को चुनौती देने के लिए एक नई टास्क फोर्स गठित करने का निर्देश दिया गया है। दूसरी ओर कॉमर्स डिपार्टमेंट को ऐसे नियमों की लिस्ट तैयार करने को कहा गया है जो कंपनियों के लिए बोझ बन रहे हैं। इसके साथ ही आदेश में ये भी कहा गया है कि जिन राज्यों में एआई के बहुत सख्त नियम होंगे, उन्हें ब्रॉडबैंड और अन्य सरकारी ग्रांट कार्यक्रमों की फंडिंग रोकी जा सकती है। मामले में ट्रंप के सलाहकार और एआई निवेशक डेविड सैक्स ने कहा कि सरकार सिर्फ बहुत कठोर और अनावश्यक नियमों का विरोध करेगी, लेकिन बच्चों की सुरक्षा जैसे नियमों को नहीं रोकेगी। अब समझिए कौन से राज्य एआई नियम बना रहे हैं?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।